वर्ष-11 अंक-39 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये
प्रयागराज, मंगलवार 15 अप्रैल 2025
TM
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
आधुनिक समाचार नेटवर्क
प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित
Download From
Adhunik Samachar
11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

लाल किले पर विक्रम गाथा की गूंज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। माधवदास पार्क में आयोजित इस महानाट्य महा मंचन के दूसरे दिन भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव समेत राज्य के दोनों डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल शामिल हुए। राजधानी दिल्ली के लाल किले पर सम्राट विक्रमादित्य का महानाट्य शुरु हो चुका है। माधवदास पार्क में आयोजित इस महानाट्य महा मंचन के दूसरे दिन भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव समेत राज्य के दोनों डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ल शामिल हुए। सीएम ने सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित चित्र प्रदर्शनी और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी और दूसरे दिन के महानाट्य महा मंचन कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया।दूसरे दिन भी मुख्यमंत्री सीएम मोहन यादव ने सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य मंचन कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि लाल किले का यह प्रांगण और कितना सुखद संयोग है लाल किले की प्राचीर की यह इमारत भारत के गौरवशाली अतीत के लिए सीना तान करके दुनिया के सामने खड़ी है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र जिसके कारण से गौरवान्वित होता है, भारत माता की यह पवित्र राजधानी है।

पवन कल्याण की पत्नी ने तिरुमाला में कराया मुंडन, हादसे में घायल बेटे के लिए मांगी थी मन्नत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पवन कल्याण की पत्नी ने अपने बेटे की सलामती के लिए मांगी गई मन्नत को रविवार को पूरा किया। उन्होंने तिरुमाला मंदिर में अपने बाल मुंडवाए और भगवान वेंकटेश्वर का आभार प्रकट किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर के विभिन्न मंदिर में बाल अर्पित करने के लिए मन्नत मांगी थी। जनसेना पार्टी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उपमुख्यमंत्री कल्याण की पत्नी अन्ना ने मंदिर की परंपरा को ध्यान में रखते हुए 'पद्मावती कल्याण कट्टा' में अपने बाल अर्पित किए। जिसके बाद उन्होंने धार्मिक अनुष्ठानों में भी भाग लिया।

अनुष्ठानों में भी भाग लिया। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की पत्नी ने रविवार को तिरुमाला मंदिर में अपना सिर मुंडवाकर मन्नत पूरी की। उन्होंने हाल ही में सिंगापुर के एक स्कूल में आगजनी की घटना में घायल हुए अपने बेटे की सलामती के लिए मन्नत मांगी थी। अन्ना कोनिडेला ने देवता के प्रति अपनी कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में अपने बाल अर्पित कर भगवान वेंकटेश्वर को धन्यवाद दिया। कल्याण दंपती के बेटे मार्क शंकर सिंगापुर में एक समर कैंप में भाग लेने गए थे। जहां 8 अप्रैल को आग लग गई। हादसे में मार्क के हाथ-पैर जल गए थे और उन्हें धुएं की वजह से भी तकलीफ हुई थी। गनीमत रही कि वह इस हादसे में बच गए। हादसे में घायल बेटे की सलामती के लिए अन्ना ने तिरुमाला जनसेना पार्टी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अन्ना कोनिडेला ने मन्नत मांगी थी कि यदि उनका बेटा दुर्घटना में बच जाता है, तो वह देवता को अपने बाल अर्पित करेंगी। संयोग से अब उनका बेटा दुर्घटना में घायल होने के बाद स्वस्थ है, जिसके चलते अन्ना ने बाल मुंडवाकर अपनी मन्नत को पूरा किया है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अन्ना कोनिडेला रूसी रूढ़ीवादी ईसाई हैं, इसलिए तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के नियमों के अनुसार, उन्होंने पहले मंदिर के अधिकारियों की उपस्थिति में भगवान वेंकटेश्वर में अपनी आस्था की घोषणा की और घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए। बाद में उन्होंने मंदिर की यात्रा की और विभिन्न अनुष्ठानों में भाग लिया।

अमेरिकी राज्य के गवर्नर को घर से भागने पर मजबूर करने वाला संदिग्ध गिरफ्तार, आगजनी का मामला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अमेरिका में पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो के घर में एक व्यक्ति ने लोहे की

सुरक्षा दीवार फांदकर आग लगा दी, जिससे गवर्नर को अपने परिवार के साथ घर से भागने पर मजबूर होना पड़ा। हालांकि, पुलिस ने आरोपी को बाद में गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान हैरिसबर्ग निवासी 38 वर्षीय कोडी बाल्मर के रूप में हुई है। अमेरिका में पेंसिलवेनिया के गवर्नर जोश शापिरो को घर से भागने पर मजबूर करने वाले संदिग्ध व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि व्यक्ति आधी रात को लोहे की सुरक्षा दीवार फांदकर पुलिस को चकमा देकर गवर्नर के घर में घुस गया था। उसने घर में आग लगा दी, जिससे काफी नुकसान हुआ। आगजनी के चलते डेमोक्रेटिक गवर्नर को परिवार सहित घर खाली करना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति पर हत्या के प्रयास, आतंकवाद, गंभीर आगजनी और गंभीर हमले के आरोप लगाए जाएंगे। गवर्नर शापिरो के अनुसार, उन्होंने शनिवार को अपने निवास पर यहूदी त्योहार फसह मनाया था। घर में उनकी पत्नी, चार बच्चे, दो कुत्ते और परिवार के अन्य सदस्य मौजूद थे। उन्होंने बताया कि रविवार रात लगभग दो बजे सैनिकों ने उनका दरवाजा खटखटाया, जिसके चलते वह जाग गए। अधिकारियों ने बताया कि किसी व्यक्ति ने घर में आग लगा दी है, जिसके चलते वह घर से भाग गए। हालांकि, अधिकारियों ने आग बुझा दी और कोई भी घायल नहीं हुआ। क्रिस्टोफर बाद में, गवर्नर शापिरो ने भावुक होते हुए कहा कि वे झुके नहीं हैं। अगर बाल्मर उन्हें अपना काम करने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं, तो वे और अधिक मेहनत करेंगे।

म्यांमार में भूकंप पीड़ितों की मदद के लिए गए विमानों को जीपीएस स्पूफिंग का करना पड़ा सामना, ऐसे किया बचाव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भूकंप राहत सामग्री लेकर म्यांमार गए भारतीय वायुसेना के विमानों को जीपीएस

स्पूफिंग का सामना करना पड़ा। पायलटों ने बैकअप नेविगेशन सिस्टम का उपयोग कर सुरक्षित संचालन किया और बाकी विमानों को पहले ही सतर्क किया गया था।पिछले महीने आए विनाशकारी भूकंप के बाद राहत सामग्री लेकर गए भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के परिवहन विमानों को म्यांमार की हवाई सीमा में जीपीएस स्पूफिंग जैसी तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ा। सैन्य प्रतिष्ठान से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। सू भारत ने 29 मार्च को ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत राहत सामग्री, फील्ड अस्पताल और बचाव दल म्यांमार भेजे थे। यह राहत सामग्री सी-130जे सुपर हर्क्यूलिस और सी-17 ग्लोबमास्टर जैसे बड़े सैन्य परिवहन विमानों से पहुंचाई गई। जब पहला विमान म्यांमार की हवाई सीमा में पहुंचा, तब उसकी जीपीएस प्रणाली में गड़बड़ी आई।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर पुनर्विचार याचिका दायर करेगा केंद्र, राज्य के विधेयकों को मंजूरी देने का मामला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आठ अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य की ओर से भेजे जाने वाले विधेयकों की मंजूरी को लेकर राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए निश्चित समयसीमा तय की है। केंद्र सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि फैसले के खिलाफ एक याचिका तैयार की जा रही है। राज्य की ओर से भेजे जाने वाले विधेयकों की मंजूरी पर राष्ट्रपति और राज्यपाल के लिए समयसीमा तय करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर केंद्र सरकार पुनर्विचार याचिका दायर कर सकती है। इस मामले में राज्यपालों की तरफ से विधायी विधेयकों को बहुत लंबे समय तक मंजूरी न दिए जाने पर न्यायिक हस्तक्षेप की अनुमति दी गई है। साथ ही राष्ट्रपति के लिए राज्यपाल की तरफ से भेजे गए विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए तीन महीने की समयसीमा निर्धारित की गई है।सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि फैसले के खिलाफ एक याचिका तैयार की जा रही है, जिसमें राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए निश्चित समयसीमा तय की गई है। शीर्ष अदालत का यह फैसला तमिलनाडु सरकार की तरफ से नवंबर 2023 में दायर की गई याचिका के जवाब में आया है।

उत्तर-पश्चिम भारत में गर्मी का सितम, 3-5 डिग्री तक चढ़ सकता है पारा; गुजरात-राजस्थान में चलेगी लू

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।उत्तर-पश्चिम भारत और गुजरात में 15 अप्रैल से तेज गर्मी और लू का दौर शुरू होने वाला है, जहां तापमान 45-46 डिग्री तक जा सकता है। वहीं, पूर्वी भारत में गरज-बारिश और ओलावृष्टि की संभावना बनी हुई है, लेकिन इन गर्म क्षेत्रों में रातें भी गर्म रहने की भी चेतावनी हैउत्तर-पश्चिम भारत और गुजरात के कुछ हिस्सों में 15 अप्रैल से प्रचंड गर्मी और झुलसा देने वाली लू की चपेटों का दौर फिर से शुरू होने वाला है। बृहस्पतिवार से रविवार के बीच क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों में आंधी-तूफान, बारिश और ओलावृष्टि से मौसम सुहावना बना गया था। पश्चिमी राजस्थान और दिल्ली-एनसीआर में सोमवार को ही तापमान में 2-5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। हालांकि, अगले 4-5 दिन के दौरान पूर्व और उससे सटे पूर्वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गरज के साथ बिजली कड़कने, बारिश होने और तेज हवाएं चलने की भी संभावना है।मौसम विभाग के पूर्वामुनामों के अनुसार, उत्तर-पश्चिम भारत में अगले 4-5 दिनों के दौरान आसामान साफ रहेगा और गर्म हवाएं चलेंगी। अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री

सेल्सियस तक की क्रमिक वृद्धि हो सकती है। दिल्ली-एनसीआर में 15-16 अप्रैल तक अधिकतम तापमान 42 डिग्री तक और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। राजस्थान में इस दौरान पारा 45-46 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ सकता है। अगले पांच दिनों के दौरान पश्चिम भारत में भी अधिकतम तापमान में 2-4 डिग्री तक की वृद्धि हो सकती है। देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव की संभावना नहीं है। रविवार सुबह 8:30 बजे तक पिछले 24 घंटे के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कई स्थानों पर, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर गरज और बिजली गिरने के साथ बारिश हुई। इस दौरान बिहार, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय और पूर्वी मध्य प्रदेश में भी कुछ स्थानों पर गरज के साथ बारिश हुई और ओले भी गिरे। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में कुछ स्थानों पर 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चलीं।विभाग के अनुसार, पश्चिमी राजस्थान के अलग-अलग स्थानों पर 14 और 15 अप्रैल को लू चलने की संभावना है।

वक्फ कानून को लेकर हुए बवाल पर पुलिस सख्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
कलकत्ता। इस बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने शनिवार को कहा कि वह पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों में हुई तोड़फोड़ की खबरों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। इसके

साथ ही कोर्ट ने मुर्शिदाबाद जिले में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की तैनाती का आदेश दिया। मुर्शिदाबाद जिले में कथित तौर पर वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी हिंसक घटनाएं हुईं, जिससे जुड़ याचिकाओं की सुनवाई के बाद यह आदेश जारी किया गया। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में 12 और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इलाके में तीन लोगों की मौत हो गई थी और सुरक्षाकर्मियों समेत कई अन्य लोग घायल हुए थे। पुलिस ने रविवार को बताया कि मुस्लिम बहुल जिले में कहीं से भी हिंसा की कोई नई घटना सामने नहीं आई है। सुरक्षा बल कड़ी निगरानी रख रहे हैं।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, 'जिले के सुती, धुलियान, समसेरगंज और जंगीपुर इलाकों में स्थिति शांतिपूर्ण है। दोषियों को ढूंढ निकालने के लिए रात भर छापेमारी की गई। इस दौरान 12 और लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही अब तक 150 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।'उन्होंने बताया कि हिंसा प्रभावित इलाकों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है और इंटरनेट बंद कर दिया गया है। सुरक्षा बल मुख्य सड़कों पर वाहनों की जांच कर रहे हैं। संवेदनशील इलाकों में गश्त की जा रही है। अधिकारी ने कहा, 'हिंसा की घटनाओं की जांच चल रही है।

कर्नाटक में बिहार का हत्यारोपी मुठभेड़ में मारा गया; सरकार बोली- कानून व्यवस्था का सवाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कर्नाटक के विजयनगर इलाके में बच्ची के अपहरण और हत्या के कुछ घंटों बाद आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ में मारने का दावा किया है। दुष्कर्म और हत्या के आरोपी ने कथित तौर पर पुलिस पर हमला कर भागने का प्रयास किया था। इस मामले में कर्नाटक सरकार के मुख्य सचेतक सलीम अहमद ने कहा है कि यह सरकार की विफलता नहीं है। कर्नाटक के हुबली में 5 साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया। अधिकारियों ने कहा कि आरोपी 35 वर्षीय नितेश कुमार ने भागने का प्रयास किया। आरोपी ने कथित तौर पर पुलिस टीम पर हमला भी किया। पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ने का प्रयास किया। हालात बेकाबू होने पर पुलिस को गोलियां चलानी पड़ीं। केएमसी-आईआर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ में तीन पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं।पूरे मामले में कर्नाटक सरकार के मुख्य सचेतक सलीम अहमद ने कहा, 'कमिश्नर ने मुझे जानकारी दी है कि आरोपी ने महिला इंस्पेक्टर को मारने की कोशिश की और पुलिस को आत्मरक्षा में उसे उस पर गोली

चलानी पड़ी... यह कानून और व्यवस्था की विफलता नहीं है। हमारी पुलिस कार्रवाई करने में सक्षम है, इसलिए उन्होंने ऐसा किया है।'मुठभेड़ पर हुबली पुलिस आयुक्त एन शशिकुमार ने कहा, आरोपी नितेश ने पुलिस पर हमला करने की कोशिश की और पुलिस हिरासत से फरार हो गया। उसने पुलिस वाहन को क्षतिग्रस्त कर पुलिसकर्मियों पर पथराव भी किया। एक पीएसआई ने आरोपी को भागने से मना किया और हवा में गोलियां चलाईं। आरोपी के नहीं रूकने पर पीएसआई ने आरोपी पर दो राउंड फायरिंग की। उसके पैर और सीने में गोली लगी। कर्नाटक मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में लाए जाने के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या और पॉक्सो कानून के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ड्यूटी में बाधा डालने और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह हुबली-धारवाड़ के अशोकनगर पुलिस थाना क्षेत्र के तहत विजयनगर इलाके में 4-5 साल की बच्ची का शव एक शेड के नीचे बरामद किया गया। जांच करने पर बच्ची के साथ कुकृत्य का पता चला। आरोपी का पता लगाकर उसे गिरफ्तार किया गया। उसने अपराध कबूल किया। मृतक बच्ची के माता-पिता की शिकायत के आधार पर हत्या और झ्ध्ण्एध् का मामला दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी बिहार की राजधानी पटना का मूल निवासी है।

बांस से बने 'कंपोजिट पैनल' से तैयार होंगे सैन्य बंकर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आईआईटी-गुवाहाटी की स्टार्ट-अप कंपनी 'एडमेका कंपोजिट प्राइवेट लिमिटेड' ने भारतीय सेना के लिए बांस के बंकर बनाए हैं। ये बुलेटप्रूफ भी हैं। फिलहाल शोधकर्ताओं द्वारा विकसित 'कंपोजिट पैनल' का परीक्षण भारतीय सेना कर करी है। गुवाहाटी स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के शोधकर्ताओं ने बांस के बने 'कंपोजिट पैनल' विकसित किए हैं, जो सैन्य रक्षा स्थलों और बंकरों के निर्माण में बेहद ही कारगर साबित होंगे। यह पैनल पारंपरिक लकड़ी, लोहे और अन्य धातुओं की जगह लेंगे।

वैज्ञानिकों ने बनाया चावल के दाने से छोटा पेसमेकर, इंजेक्शन से शरीर में हो सकेगा इंजेक्ट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने चावल के दाने से

भी छोटा पेसमेकर बनाया है, जो शरीर में इंजेक्ट किया जा सकता है और काम खत्म होने पर खुद ही घुल जाता है। यह अत्यधिक प्रभावी और सुरक्षित डिवाइस हृदय रोगों के इलाज में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। वैज्ञानिकों ने चिकित्सा जगत में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के इंजीनियरों ने आकार में चावल के दाने से भी छोटा पेसमेकर बनाया है। इसे इंजेक्शन के जरिये भी शरीर में इंजेक्ट किया जा सकता है।खास बात यह है कि काम खत्म होते ही यह पेसमेकर अपने आप शरीर में घुलकर खत्म हो जाता है। यह न केवल दुनिया का सबसे छोटा पेसमेकर है, बल्कि इसके गुणधर्म और कार्यप्रणाली इसे पारंपरिक उपकरणों से कहीं अधिक उन्नत और सुरक्षित बनाते हैं। यह जानकारी अंतरराष्ट्रीय जर्नल नेचर में प्रकाशित अध्ययन में सामने आई है।

पढ़ाई के लिए बेची जमीन, मेडिकल में हुईं अनफिट, बनीं इलाके की पहली महिला पायलट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ताईबा अफरोज ने एक ऐसे घर और समाज में जन्म लिया, जहां लड़कियों को बड़े सपने देखने की मनाही थी। बावजूद इसके उन्होंने न केवल पायलट बनकर आसमान को चूमा और अपना सपना पूरा किया, बल्कि समाज के लिए भी मिसाल बनी। उन्होंने समाज की रूढ़िवादी मानसिकता को तोड़कर अपनी पहचान बनाई। गांव में राशन की एक छोटी-सी दुकान चलाने वाले एक पिता के लिए परिवार वालों का पेट पालना ही बड़ी बात होती है, ऐसे में अपनी बिटिया को पायलट बनाने का ख्वाब देखना दूर की कौड़ी लगती है। ऐसा ही एक वाकया मोती उल हक के साथ तब हुआ, जब उनकी बेटी ताईबा ने उनसे कहा कि पापा मैं पायलट बनकर आसमान में उड़ान भरना चाहती हूं। होनहार बिटिया के लक्षण देखकर उन्होंने उसे पायलट बनाने का निश्चय तो कर लिया, लेकिन

दोनों को अपनी दुनिया से कहीं ज्यादा बड़े सपने देखने के लिए सामाजिक कुरीतियों, वित्तीय संघर्षों और न जाने कितनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। फिर भी ताईबा ने दृढ़ निश्चय, अटूट विश्वास और कड़ी मेहनत से हर बाधा को पार कर लिया। छोटे-से गांव से ताल्लुक रखने वाली ताईबा अफरोज का गांव की पगडंडियों से आसमान में हजारों फीट उड़ने तक का सफर किसी असाधारण उपलब्धि से कम नहीं है। आज, वह कॉकपिट में बैठकर न सिर्फ विमान उड़ाती हैं, बल्कि एक पूरी पीढ़ी को यह विश्वास दिलाती हैं कि कोई भी सपना इतना बड़ा नहीं होता कि उसका पीछा न किया जा सके।ताईबा सारण, बिहार के एक छोटे-से गांव जलालपुर के निम्न मध्यम वर्गीय परिवार से ताल्लुक रखती हैं। पिता एक छोटी-सी राशन की दुकान चलाते हैं और मां समसुन निशा एक गृहिणी हैं। दुकान से पूरे परिवार का खर्च चलाना मुश्किल था।

सियाचिन के सपूतों को सलाम, विश्व के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र पर फहराया तिरंगा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सियाचिन दिवस के 41वीं वर्षगांठ के अवसर हम जानेंगे कि कैसे हमारे देश के वीर सैनिकों

ने दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र पर तिरंगा फहराया था। यह दिन उन वीर सियाचिन योद्धाओं को श्रद्धांजलि देने का दिन है, जिन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना देश की रक्षा की और दुश्मनों की हर कोशिश को नाकाम किया हर साल 13 अप्रैल को 'सियाचिन दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जो 1984 में शुरू किए गए 'ऑपरेशन मेघदूत' की याद दिलाता है। यह वह दिन है जब भारतीय सेना ने दुनिया के सबसे ऊंचे और सबसे कठिन युद्धक्षेत्र - सियाचिन ग्लेशियर पर अपने झंडे गाड़े थे। बता दें कि वर्ष 1984 में पाकिस्तान की संभावित सैन्य कार्रवाई की जानकारी मिलने के बाद भारत ने सियाचिन ग्लेशियर पर रणनीतिक स्थानों को सुरक्षित करने के लिए 'ऑपरेशन मेघदूत' शुरू किया, जिसके बाद 13 अप्रैल 1984 को भारतीय सैनिकों ने बिलाफोंड ला और सियाला दर्रों पर कब्जा कर लिया और पूरे सियाचिन क्षेत्र पर अपना नियंत्रण ले लिया।

तेलंगाना में आज से लागू होगा एससी श्रेणीकरण कानून, दशकों पुरानी मांग हुई पूरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
तेलंगाना। तेलंगाना सरकार का यह कदम इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। इससे सबसे वंचित और कमजोर एससी उप-समुदायों को ज्यादा अवसर मिलेंगे। यह कानून आंकड़ों, जनसुनवाइयों और सामाजिक न्याय की भावना पर आधारित है। आज यानी 14 अप्रैल से लागू होने वाला यह कानून डॉ. आंबेडकर की सोच को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। तेलंगाना सरकार आज यानी 14 अप्रैल से डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के दिन से एससी श्रेणीकरण कानून लागू करने जा रही है। यह जानकारी राज्य के सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने रविवार को दी। यह कदम देश में अपनी तरह का पहला है और इसे सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद लागू किया जा रहा है।तेलंगाना में अनुसूचित जातियों को मिलने वाले 15झ् आरक्षण को

तीन भागों में बांट दिया गया है, ताकि सबसे पिछड़े वर्गों को अधिक न्याय मिल सके।इस वर्गीकरण के लिए जस्टिस शमीम अख्तर आयोग का गठन अक्तूबर 2024 में किया गया था। आयोग को विभिन्न एससी उप-जातियों की आर्थिक, शैक्षणिक, सामाजिक स्थिति का अध्ययन करने का जिम्मा मिला।रविवार को इस कानून को लागू करने से पहले, सचिवालय में कैबिनेट की सब-कमेटी की अंतिम बैठक हुई। इसमें मंत्री डामोदर राजा नरसिम्हा, सीतक्का, पोनम प्रभाकर, जस्टिस शमीम अख्तर, वेलफेयर सचिव श्रीधर, लॉ सचिव तिरुपति और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। इस बैठक में गाइडलाइन्स और आदेश को अंतिम रूप दिया गया। यह आदेश मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को पहले सौंपा जाएगा, फिर सार्वजनिक रूप से जारी किया जाएगा।मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि यह एक दशकों पुरानी मांग थी, जिसे न तो संयुक्त आंध्र प्रदेश में और न ही तेलंगाना बनने के बाद किसी सरकार ने कानूनी रूप से लागू किया।

सिंचाई विभाग के द्वारा बनाए गए रिफ्लेक्स से नहीं हटा अवैध निर्माण तो फिर से डूबेगा ग्राम गौरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज । संगम नगरी प्रयागराज के थाना शंकरगढ़ बारा तहसील

के ग्राम गौरा में अब ग्रामीणों को सता रहा बाढ़ में गांव डूबने का खतरा वही आज प्रेसवार्ता करते हुए श्याम बिहारी द्विवेदी ने बताया हमारे ग्राम गौरा में चौराहे पर दो नदियां मिलती है और 97 की बाढ़ में पूरा गांव डूब गया था उससे बचने के लिए चौराहे के पास सिंचाई विभाग के द्वारा रिफ्लेक्स बनाया गया था वहीं चौराहे के समीप सिंचाई विभाग के सेवानिवृत कर्मचारी अयोध्या प्रसाद के द्वारा अपने खेत में मकान बनवाया गया मकान दोनों साइड अवैध निर्माण भी किया गया है जहां पीडब्ल्यूडी की आधी जमीन पर कब्जा किया तो दूसरी तरफ सिंचाई विभाग द्वारा बनाए गए रिफ्लेक्स पर भी आवाज निर्माण किया है जिससे अब बाढ़ में फिर से गांव डूबने का खतरा सता रहा है शिकायत करने पर भी पुलिस और सिंचाई विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की है। श्याम बिहारी द्विवेदी का कहना है की अवैध निर्माण को नहीं हटाया गया तो फिर से एक बार पूरा गांवश बाढ़ के दौरान डूब सकता है।

सजा से बचने हेतु बलात्कार पीड़िता नाबालिग की हत्या , परिजनों ने आशंका व्यक्त की

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज । पास्को एक्ट से बचने के लिए क्या बलात्कार पीड़ित नाबालिक की हत्या कर दी गई ? परिजनों ने जताई है? आशंका पुलिस का रवैया ढुलमुल। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के बिसौना गांव में एक 12 वर्षीय बलात्कार पीड़िता के अपहरण का मामला सामने आया है। पीड़िता के परिजनों को आशंका है कि उसकी हत्या कर दी गयी क्योंकि वह 10 दिनों से लापता है। क्या हुआ था 10 मई 2024 को गांव के एक युवक ने नाबालिग के साथ बलात्कार किया था, जिसके बाद एयरपोर्ट थाना में पॉस्को एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ और आरोपी को जेल भेज दिया गया। 3 अप्रैल 2025 को पीड़िता के माता-पिता को न्यायालय में बयान दर्ज कराना था, लेकिन इसी दिन ङआरोपी के भाइयों नेङ घर में घुसकर लड़की का अपहरण कर लिया। पीड़िता के माता-पिता न्यायालय से जब वापस आए तो उन्हें उनकी बेटी के अपहरण होने पर सूचना मिली परिजनों का कहना है कि उन्होंने तुरंत थाने में शिकायत की, लेकिन पुलिस ने कहा कि ठतुम भी खोजो, हम भी खोजेंगे जैसा रवैया दिखाया। ङ13 अप्रैलङ तक भी लड़की का कोई सुराग नहीं मिला है। इसलिए आज परिजनों को मजबूरी के तहत मीडिया के सामने अपनी बात रखनी पड़ी।हत्या की आशंकापीड़िता के पिता ने आशंका जताई कि चूंकि 18 अप्रैल को न्यायालय में उसकी बेटी का बयान दर्ज होना था, इसलिए आरोपियों ने उसे मारकर सबूत मिटाने की कोशिश की हो सकती है। उन्होंने मांग की कि पुलिस तुरंत मेरी लड़की को ढूंढे और बलात्कार के आरोपी को कड़ी सजा मिले।

30 साल से लापता मुजरिम की उम्रकैद पर मुहर, एसएसपी को गिरफ्तारी का आदेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 30 साल से लापता हत्या के मुजरिम को मिली उम्रकैद पर मुहर लगा दी। कोर्ट ने कहा कि मुजरिम की गैर मौजूदगी में भी अदालत गुण-दोष के आधार पर अपील का निस्तारण कर सकती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 30 साल से लापता हत्या के मुजरिम को मिली उम्रकैद पर मुहर लगा दी। कोर्ट ने कहा कि मुजरिम की गैर मौजूदगी में भी अदालत गुण-दोष के आधार पर अपील का निस्तारण कर सकती है। साथ ही इटावा के सीजेएम व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को लापता मुजरिम को गिरफ्तार करनें का आदेश दिया है। यह फैसला न्यायमूर्ति विवेक कुमार बिरला और न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि की अदालत ने इटावा के लक्ष्मण की ओर से ट्रायल कोर्ट के दंडादेश को चुनौती देने वाली अपराधिक अपील को खारिज करते हुए सुनाया है। कोर्ट ने कहा है करीब 43 साल बाद आये फैसलें में कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष के मामले को साबित करने के लिए साक्ष्य की मात्रा नहीं बल्कि उसकी गुणवत्ता की आवश्यकता होती है। भले ही दो गवाह पेश किये गये लेकिन उन्होंने बतौर चश्मदीद घटना की पुष्टि की। प्रकाश के स्रोत को साबित किया गया है। साथ ही घटना की एफआईआर शीघ्रता से दर्ज हुई है। कोर्ट ने हथियारों की बरामदगी पर उठे सवाल को भी खरिज कर दिया। कहा कि घटना के बाद, अभियुक्त तीन महीने फरार रहा। आत्मसमर्पण के बाद पुलिस हिरासत के बजाय जेल भेज दिया गया। ऐसे में अपराध में प्रयुक्त हथियार बरामद नहीं किया जा सका। घटना 43 साल पहले इटावा के फफूंद थाना क्षेत्र की है। 25 अक्टूबर 1982 की रात एक बजे गांव के चौकीदार कुंजी लाल की गोली मार हत्या कर दी गई। मृतक के भतीजे श्याम लाल ने लक्ष्मण व शिवनाथ उर्फ कैप्टन को नामजद व चार अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। करीब तीन महीने फरार रहा कैप्टन पुलिस मुठभेंड में मारा गया जबकि लक्ष्मण ने कोर्ट में आत्म समर्पण कर दिया। विवेचना में पता लगा कि दोनों के खिलाफ आधा दर्जन से अधिक आपराधिक मामलें दर्ज थे। मृतक चौकीदार उनकी गिरफ्तारी में पुलिस की मदद कर रहा था। इससे खफा होकर दोनों ने घटना को अंजाम दिया था। विवेचना के बाद पुलिस ने 15 फरवरी 1983 को लक्ष्मण के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया, जबकि अज्ञात मुल्जिमों का पता नहीं चला। 30 जुलाई 1983 को इटावा की सत्र अदालत ने लक्ष्मण को उम्रकैद व 5000 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। दंडादेश के खिलाफ दोषी लक्ष्मण ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी की कार्यकारिणी का हुआ गठन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज ।संगम नगरी प्रयागराज में जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी द्वारा महानगर अध्यक्ष सचिवऔर प्रवक्ता की नियुक्ति किए जाने के बाद प्रयागराज स्थित बद्री कोठी पार्टी कार्यालय में एक बैठक बुलाई गई जिसमें महानगर की कार्यकारिणी का गठन किया गया और सभी को प्रस्तुति पत्र भी इस मौके पर सोपा गया साथी आगामी चुनाव को लेकर अभी से तैयारी करने के लिए कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया योगी सरकार की कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए गए और लोगों से अपील की गई के उनकी अगर किसी प्रकार की समस्या है तो वह पार्टी कार्यालय में संपर्क करें पार्टी के कार्यकर्ता उनकी समस्या हल करने का काम करेंगे और जल्दी एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जाएगा जिससे लोग अपनी समस्या हमें तक पहुंच सके।

जमीन के विवाद में लहराया तमंचा, दी जान से मारने की धमकी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज । थाना झूंसी क्षेत्र के मुंसी का पूरा गांव में सोमवार की सुबह तुर्काना झूंसी निवासी मेराज जमीन देखने गया था। इसी दौरान कुछ लोग थार से वहां पहुंचे और गालीगलौज करते हुए मारपीट करने लगे। आरोप है कि थार से आए लोग तमंचा लहराते हुए हाथापायी करने लगे। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। थमकी दी कि इस जमीन पर दोबारा दिखाई पड़े तो जान से मार देंगे। भुक्तभोगी ने जान का खतरा बताते हुए पुलिस को तहरीर दी। इसका वीडियो भी वायरल हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्ष से पांच को हिरासत में ले लिया। इस मामले में थानाध्यक्ष उपेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

शोषण का कारण जाति नहीं इंसान को माना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज । डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर इविवि हिंदी विभाग के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत 'दलित साहित्य और बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर' विषय पर व्याख्यानमाला आयोजित की गई। डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर इविवि हिंदी विभाग के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत 'दलित साहित्य और बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर' विषय पर व्याख्यानमाला आयोजित की गई।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पहुंचे करछना, बोले- यूपी में कानून व्यवस्था ध्वस्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज । कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सोमवार को करछना इलाके के इसौटा लोहंगपुर गांव में पहुंचे। एक दिन पहले जलाकर मारे गए दलित युवक देवीशंकर के परिजनों से मिलकर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें सांत्वना दी। कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव उनके साथ खड़ी है और परिजनों को न्याय दिलाकर ही दम लेगी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सोमवार को करछना इलाके के इसौटा लोहंगपुर गांव में पहुंचे। एक दिन पहले जलाकर मारे गए दलित युवक देवीशंकर के परिजनों से मिलकर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें सांत्वना दी। कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव उनके साथ खड़ी है और परिजनों को न्याय दिलाकर ही दम लेगी। इसके बाद मीडिया से बातचीत करते हुए अजय राय ने कहा कि यूपी में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त है। संविधान निर्माता बाबा साहब की जयंती के एक दिन पहले करछना में दलित युवक को जलाकर मार डाला गया।प्रदेश में जंगलराज कायम है। कुछ दिन पहले वाराणसी में शर्मनाक घटना हुई। एक युवती से 23 लोगों ने बलात्कार किया। कासगंज में भाजपा के प्रमुख नेता समेत आठ लोगों ने युवती के साथ दुष्कर्म किया। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि यूपी में कानून व्यस्था नाम की कोई चीज नहीं है। उन्होंने दलित युवक की हत्या की कड़ी निंदा करते हुए प्रदेश सरकार से 50 लाख रुपये मुआवजा, आवास समेत अन्य सुविधाएं देने की मांग की। कहा कि आरोपियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए। इस मौके पर कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह, पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह, विवेकानंद पाठक, संजय तिवारी समेत तमाम नेता मौजूद रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

TRADE OFFERS

100% Placement

★Computer Teacher Training (C.T.T.)
★Electrician
★Fire Safety & Industrial Security
★Repair of Refrigerator & A.C.
★Computer Operator & Programming Assistant (COPA)
★Welding Technology
★Certified In Yoga
★Security Service
★Home Appliances
★Computer Hardware & Networking

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

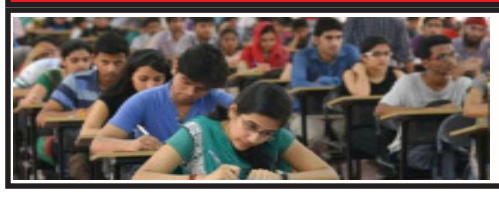

प्रदेश आस/पास

भारत

ठेलिया चलाकर स्वास्थ्य केंद्र ऊंचाहार में इलाज के लिए ले जाया जा रहा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो जिसमें

दिखाया जा रहा है कि एक बच्चे को चोट लगने पर वह अपनी चाची के साथ , छोटे भाई द्वारा ठेलिया चलाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ऊंचाहार में इलाज के लिए ले जाया जा रहा है त् के संदर्भ में 108 एंबुलेंस सेवा के जिला का कार्यक्रम प्रबंधक श्री अक्षय आनंद ने अवगत कराया है कि उन्होंने 108 नंबर पर आई हुई सभी कालों को सत्यापित कराया जिसमें घायल बच्चों के परिजनों द्वारा किसी ने फोन कॉल नहीं की गई है आज मौके पर जाकर टीम द्वारा परिजनों से बात कर वीडियो बनाया गया है जिसमें परिजनों द्वारा बताया जा रहा है कि उनके पास ना तो फोन है और ना ही उनके द्वारा किसी के माध्यम से फोन कराया गया। उपरोक्त प्रकरण में एंबुलेंस सेवा या स्वास्थ्य विभाग द्वारा किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं की गई है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नवीन चंद्र ने बताया 108 एंबुलेंस सेवा द्वारा की गई जांच एवं बनाए गए वीडियो से स्पष्ट होता है कि एंबुलेंस सेवा एवं स्वास्थ्य विभाग की कोई लापरवाही नहीं की गई है।

पानी के टैंकर एवं फायरफाइटर वितरण कार्यक्रम सम्पन्न,ठजल है तो कल हैठ संदेश के साथ घर-घर पहुंचाया जा रहा पानी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मैहर। जल ही जीवन है और जल है तो कल है के संदेश को लेकर

मैहर में पानी के टैंकर एवं फायरफाइटर वितरण कार्यक्रम का आयोजन आज सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस पहल का उद्देश्य जल संकट से जूझ रहे क्षेत्रों में घर-घर तक पानी पहुंचाना है। इस जनहितकारी कार्य का नेतृत्व मैहर विधायक श्रीकान्त चतुर्वेदी द्वारा किया जा रहा है। मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने बताया कि गर्मी के मौसम में लोगों को पानी की कोई कमी न हो, इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने, वरिष्ठ समाजसेवी सतीश मिश्रा जी, आलोक अग्रवाल , उत्तम पटेल,रावेंद्र पाण्डेय,आदित्य नारायण शुक्ला,जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष संतोष पांडे 'राजा' ,प्रकाश तिवारी, मुनि चौरसिया ,पारष नाथ तिवारी, सुदामा प्रजापति एवम समस्त सरपंच /सचिव गण विशेष रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में शामिल होकर सेवा कार्य में जुटे रहे। मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी का यह कार्यक्रम न केवल जल संकट से राहत का प्रयास है,बल्कि यह भी संदेश देता है कि पानी की एक-एक बूंद की कीमत है। विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी की यह पहल निश्चित रूप से आमजन के लिए राहतकारी साबित हो रही है।

मा0 उद्यान मंत्री ने डॉ0 भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर अंबेडकर जी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उ0प्र0 दिनेश प्रताप सिंह ने आज हाथी पार्क चौराहा में स्थापित डॉ भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया, इसके पश्चात्, 'डॉ. भीमराव आंबेडकर जन्मोत्सव संयुक्त समिति' द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह आयोजन बाबा साहेब अंबेडकर के सम्मान में किया गया, जो एक महान समाज सुधारक और विधि विशेषज्ञ थे। उन्होंने अपना जीवन समाज में पिछड़े वर्ग के उत्थान में समर्पित कर दिया और भारतीय संविधान की संरचना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

ससुराल के पास से पकड़ाया, 5 साल से चल रही थी तलाश; दर्ज हैं कई मामले

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। वाराणसी पुलिस को वांछित की तलाश काफी दिनों से थी। वह पांच साल से फरार चल रहा था। पता चला कि गैंगेस्टर का आरोपी रामनगर स्थित अपने ससुराल के पास किराए का कमरा लेकर रह रहा है। इस सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई कर उसे गिरफ्तार कर लिया लंका पुलिस ने पांच साल से फरार चले गैंगेस्टर में वांछित 25 हजार के इनामी विशाल चौधरी को मार्डन मैरेज लॉन रामनगर से रविवार को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के ऊपर गैंगेस्टर का मुकदमा 2020 में दर्ज होने के बाद से रायबरेली चला गया था।जानकारी के अनुसार, रायबरेली से वापस आकर रामनगर में अपने ससुराल से कुछ दूरी पर किराए पर कमरा लेकर रहता था। आरोपी का ससुराल रामनगर में है। पत्नी-बच्चे ससुराल में रहते हैं। मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करता था। आरोपी को लंका थाने पर एसीपी भेलूपुर डॉक्टर ईशान सोनी ने पेश करते हुए घटना का खुलासा किया। इसके खिलाफ भेलूपुर लंका दशाश्वमेध में धोखाधड़ी रंगदारी बलवा सहित अन्य धारा में मुकदमा दर्ज है।

भारत रत्न डा0 भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती से पूर्व जनपद में स्थापित सभी आंबेडकर पार्क, आंबेडकर जी की प्रतिमाओं की, अभियान चलाकर की गई साफ सफाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। भारत रत्न, बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी

की जयंती पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज उनकी जयंती से पूर्व जनपद के सभी नगरीय निकायों, विभिन्न वार्डों, ग्राम पंचायतों आदि में स्थापित आंबेडकर पार्कों तथा आंबेडकर जी की प्रतिमाओं की विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर साफ सफाई कराई गई। इसी क्रम में मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उ0प्र0 सरकार दिनेश प्रताप सिंह ने हाथी पार्क चौराहा में स्थापित डॉ0 भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा के पास विशेष स्वच्छता अभियान में प्रतिभाग कर श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया तथा अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीपक जलाया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के अमृत काल में भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव आम्बेडकर जी की जयंती पर जनपद में 14 से 28 अप्रैल 2025 तक विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित किया जा रहा है, जनपद में धूमधाम से उत्सव के रूप में भारत रत्न, बाबा साहब डॉ.भीमराव आम्बेडकर जी की जयंती पर प्रार्थना सभा, क्विज, वाद विवाद प्रतियोगिता, प्रभात फेरी, महिला सशक्तीकरण एवं लैंगिक समानता आदि पर सेमिनार के कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

वीर बजरंगबली का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। वैशाख पूर्णिमा के अवसर पर लोगों द्वारा पवन पुत्र हनुमान का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया । इस अवसर पर शहर के मुख्य मंदिरों को फूलों से सजाया गया और प्रसाद वितरण किया गया। हनुमान जी के प्रमुख मंदिर अभय दाता में सुंदरकांड का पाठ ततपश्चात भव्य आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया ।इसी क्रम में शहर के मनसा देवी मंदिर में चंदापुर कोठी में समस्त दोष निवारक हनुमान जी, कैनाल रोड स्थित हनुमान मंदिर एवं पिपलेश्वर मंदिर एवं सुरजू पुर स्थित हनुमान मंदिर में भव्य श्रृंगार, सुंदरकांड का पाठ एवं प्रसाद वितरण किए गए ।इस अवसर पर जन मानस के अधिक से अधिक लोग उपस्थित रहे।

श्री कृष्ण की मित्रता के संबंध में रोचक तथ्य प्रस्तुत किए गए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। राणा नगर रायबरेली स्थित सेलिब्रेशन उत्सव लान में चल रही चल रही श्रीमद् भागवत कथा

पुराण के समापन दिवस पर कथा व्यास श्री जय शंकर जी महाराज द्वारा श्री सुदामा जी एवं भगवान श्री कृष्ण की मित्रता के संबंध में रोचक तथ्य प्रस्तुत किए गए ।श्री महाराज द्वारा बताया गया कि भगवान भक्त के बस में होते हैं और भक्त के बुलावे पर तत्काल उपस्थित होते हैं ।सुदामा और श्री कृष्ण जी की मित्रता का वर्णन करते हुए उन्होंने बताया कि सुदामा जहां अत्यंत निर्धन थे वही भगवान श्री कृष्णा तत् समय द्वारकाधीश का पद सुशोभित कर रहे थे और द्वारपालो के द्वारा यह बताये जाने पर कि कोई सुदामा नाम का व्यक्ति द्वार पर खड़ा है और वह अपने को आपका मित्र बता रहा है और आपसे मिलना चाहता है, यह सुनते ही श्रीकृष्ण सब कुछ छोड़कर दौड़ते हुए द्वार पर आए और श्री सुदामा जी को अपने गले से लगा लिय कृष्ण जी द्वारा सुदामा जी को अंदर भवन में ले गए एवं उनका स्वागत सत्कार किया ।भगवान श्री कृष्ण द्वारा सुदामा जी के कोख में दबे हुए चावलों की पोटली को खींचते हुए कहा गया कि मेरी भाभी द्वारा दिए गए सामान को आप क्यों छुपा रहे हैं ,लाइए मुझे और वह खाने लगे भगवान जब तीसरी मुट्ठी चावल खाने जा रहे थे तो महारानी रुक्मणी द्वारा उन्हें रोक दिया गया कहा क्या आप सर्वस्व ही दे देंगे। इस संबंध में फतेहपुर से आए कलाकार एवं बाल कलाकारों द्वारा सुदामा और कृष्ण का चित्रण सजीव रूप से प्रस्तुत किया गया,जो अत्यन्त मनमोहक रहा। भागवत कथा के स्रोतों में उपस्थित ओम शिव शक्ति सेवा मंडल के मंडल संरक्षक श्री महेंद्र अग्रवाल श्री राजेंद्र अवस्थी मंडल अध्यक्ष श्री राम राज गिरीमंडल महामंत्री एवं जिला अध्यक्ष श्री राजेश कुमार पांडे को अंग वस्त्र पहनकर यजमान श्री कमलेश कुमार द्विवेदी द्वारा सम्मानित भी किया गया।

शंकरगढ़ में सनसनीखेज वारदात, कार सवार व्यापारियों पर बम से हमला, दो कारोबारी घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज । नारीबारी में रविवार रात करीब आठ बजे बाइक सवार दो युवकों ने ट्रैक्टर संचालक की कार पर बम फेंक दिया। हमले में

कार में सवार कारोबारी बाल-बाल बच गए। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश चाकघाट की ओर भाग खड़े हुए। सूचना पाकर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के सुरवल चंदेल के पास रविवार की देर रात चाकघाट की ओर से व्यापारियों पर अज्ञात बाइक सवारों ने बम से हमला कर फरार हो गए। हमले में व्यापारी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसको पास के निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। बाद में गंभीर अवस्था में डॉक्टरों ने व्यापारी को प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया। घायल के भाई की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।सौरभ केसरवानी पुत्र स्व. देवदास केसरवानी ने पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए बताया है कि उसका भाई शुभम केशरवानी उर्फ रवि (32) निवासी वार्ड नंबर 4 चाकघाट, त्योंथर, जनपद रींवा, मध्यप्रदेश अपनी चार पहिया वाहन से ड्राइवर वेद द्विवेदी, अजय केशरवानी व राजमन केशरवानी निवासी चाकघाट के साथ रविवार की रात लगभग 9 बजे प्रयागराज में एक निमंत्रण के लिए जा रहे थे।जैसे ही बैजनाथ केसरवानी सुरवल चंदेल नारीबारी के घर के पास उनके बेटे को बुलाने के लिए गाड़ी खड़ी की तभी प्रयागराज की ओर से दो लोग मोटरसाइकिल से आए और भाई के वाहन में बम से हमला कर दिया। हमले में रवि को गंभीर चोटें आई एवं ड्राइवर वेद भी घायल हो गया। वहीं पीछे बैठे दो लोग बाल-बाल बच गए। बम की आवाज सुनकर लोगों की भीड़ लग गई। इस दौरान घायलों को नजदीक के निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया। देर रात डॉक्टर ने व्यापारी को प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया। लोगों की बात मानें तो शुभम केशरवानी की चाकघाट, मध्य प्रदेश में ट्रैक्टर एवं बाइक का शोरूम है। पैसे के लेनदेन को लेकर आए दिन विवाद होता था। लोगों ने आशंका जाहिर की है कि हो सकता है की इसी वजह से यह हमला हो हुआ हो। रविवार की रात घटना को अंजाम दिया गया है। बाइक सवार युवकों ने कार का पीछा करते हुए व्यापारी पर बम से हमला किया है। शिकायती पत्र प्राप्त हुआ है। जांच पड़ताल की जा रही है।

रायबरेली में सिंधु समाज की ओर से अमर संत कंवर राम साहेब की जयंती पर सुपरमार्केट में प्रसाद वितरण किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। सिंधु समाज की ओर से अमर संत कंवर राम साहेब की जयंती पर स्थानीय सुपर मार्केट स्थित कंवर राम प्याऊ पर पूजा अर्चना की गई और प्रसाद वितरण भी किया गया संत कंवर राम का जन्म 13 अप्रैल सन 1885 ई को बैसाखी के दिन सिंध प्रांत के शक्खर जिले के मीरपुर माथेलो तहसील के जरबार ग्राम में हुआ था, उनके पिता ताराचंद और माता तीरथ भाई दोनों ही प्रभु भक्ति एवं हरि कीर्तन करके संतोष और सादगी से अपना जीवन व्यतीत करते थे । जीवन यापन के लिए ताराचंद एक छोटी सी दुकान चलाते थे उनके जीवन में संतान का अभाव था । सिंध के परम संत खोता राम साहब के यहां माता तीर्थ बाई हृदय भाव से सेवा करती थी ।संत के आशीर्वाद से उन्हें एक पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई जिसका नाम कंवर रखा गया कंवर अर्थात कमल का फूल ।नामकरण के समय संत खोताराम ने भविष्यवाणी की थी कि जिस प्रकार कमल का फूल तालाब के पानी और कीचड़ में खिलकर चमकता रहता है वैसे ही इस जगत में कंवर भी निर्मल, विरक्त होगा और सारे विश्व को कर्तव्य पथ,कर्म,त्याग और बलिदान का मार्ग दिखाएगा।बाल्यावस्था से ही संत कंवर राम जी की रुचि ईश्वर भक्ति और भजन कीर्तन में थी, उनके मधुर स्वर की गूंज गांव के आस पास हर जगह फैली हुई थी। उनकी माता उन्हें चने उबाल कर बेचने के लिए देती थी वह अपने मधुर स्वर में गाते हुए, आवाज लगाते हुए चने बेचा करते थे जरवार ग्राम में सिंध के महान संत खोताराम साहब के सुपुत्र संत रामदास जी का संध्या समय कीर्तन हो रहा था ,उसी समय चने बेचने के लिए मधुर, सुरीली ,बुलंद आवाज में किशोर कंवर की ध्वनि संत के कानों तक गई ।चने को सिंधी भाषा में कोहर कहा जाता है कोहर का अर्थ है कोई मेरे पापों को हर ले और शांति प्रदान करें। पूजन और प्रसाद वितरण के समय सिंधु समाज के संरक्षक संतोष चेनानी, भीमसेन राजपाल ,शिवेंद्र आदि समाज के भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की मनाई गई जयंती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अंबेडकर जी की जयंती जनपद में मनाई गई।

कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। सभागार में आयोजित गोष्ठी में भीमराव अम्बेडकर के योगदान को याद किया गया एवं उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि बाबा साहेब की जयंती इस बार 'हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान' थीम से मनाई जा रही है। जिसके अंतर्गत जनपद में 15 दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ0 अम्बेडकर जातिवाद, संप्रदायवाद और भ्रष्टाचार जैसी कुरीतियों को विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा मानते थे। बाबा साहेब शोषित, दलित, महिलाओं,पिछड़े व सर्वसमाज के उत्थान के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष करते रहे। उनके इस योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि हम सभी चाहे जिस पद पर हो वहां पूरी निष्ठा, लगन और ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अमृता सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल यादव, नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार एवं कलेक्ट्रेट परिवार के सभी कर्मचारी गण उपस्थित रहे। सूचना कार्यालय में मनाई गई अंबेडकर जयंती डॉ0 अंबेडकर की जयंती विकास भवन स्थित सूचना कार्यालय में भी मनाई गई। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी अनुराग रंजन ने डॉ0 अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ा कर उनके योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का जीवन उन सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है जो अपने जीवन में संघर्ष कर रहे हैं। हमें उनके जीवन दर्शन से शिक्षा लेनी चाहिए। इस अवसर पर सूचना कार्यालय के कर्मचारी मो0 राशिद रियाज अंसारी,विकास, रंजीत उपस्थित रहे।

मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने रायबरेली के हाथी पार्क चौराहे का नाम 'बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर चौक' करने तथा स्थल के समग्र विकास हेतु की पहल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

रायबरेली। 'भारत रत्न' बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने रायबरेली नगर स्थित हार्थी पार्क चौराहे का नाम परिवर्तन कर 'बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर चौक' किए जाने की पहल की है। उन्होंने इस आशय का अनुरोध पत्र नगर विकास मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार को प्रेषित किया है। पत्र में उन्होंने उल्लेख किया है कि यह चौराहा रायबरेली नगर के हृदयस्थल पर स्थित है, जहां बाबासाहेब की विशाल प्रतिमा स्थापित है। यह स्थल वर्षों से जनमानस की आस्था और प्रेरणा का केंद्र बना हुआ है। उन्होंने अनुरोध किया है कि उक्त चौराहे को बाबा साहेब के नाम से विधिक रूप से नामित किए जाने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए यह स्थल उनके योगदान की स्थायी स्मृति बना रहे। मा0 मंत्री जी ने पत्र के माध्यम से पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार से अनुरोध किया है कि हाथी पार्क चौराहे पर स्थित बोधिसत्व बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की प्रतिमा एवं उसके निकटवर्ती परिसर को एक प्रेरणास्थल और सांस्कृतिक स्मृति-स्थल के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने लिखा है कि यह प्रतिमा बाबासाहेब के विचारों और संघर्षों का प्रतीक है, जिसे रायबरेली समेत समस्त आंबेडकरवादी समाज प्रेरणा के केंद्र के रूप में देखता है। इस स्थल के समग्र विकास हेतु संस्कृति मंत्रालय से वैधानिक स्वीकृति प्रदान कर आवश्यक धनराशि निर्गत करने की उन्होंने मांग की है, जिससे बाबासाहेब के व्यक्तित्व के अनुरूप यह क्षेत्र विकसित हो सके। मा0 मंत्री जी ने मुख्य विकास अधिकारी रायबरेली को पत्र प्रेषित कर उनकी विधायक क्षेत्र विकास निधि से 21 लाख रुपये की धनराशि उपलब्ध कराते हुए हार्थी पार्क चौराहे पर स्थापित बाबा साहेब की प्रतिमा स्थल का सौंदर्यीकरण एवं अधोसंरचनात्मक विकास कराया जाए। उन्होंने अपेक्षा की है कि यह कार्य किसी दक्ष, मान्यता प्राप्त कार्यदायी संस्था को नामित करते हुए गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराया जाए।

काशी में 4 साल की बच्ची से गंदी हरकत, मासूम को कब्रिस्तान में छोड़ भागा आरोपी; थाने में मामला दर्ज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। यह मामला बीते शनिवार का है। पिता का आरोप है कि उसके दोस्त ने उसकी बच्ची के साथ गंदा काम किया है। सोमवार को पुलिस ने मामला दर्ज करने के साथ ही बच्ची को मेडिकल के लिए भेज दिया। वाराणसी में सोमवार को लालपुर-पांडेयपुर पुलिस ने 4 साल की बच्ची के साथ गंदी हरकत का मामला दर्ज किया है। आरोप पिता के ही दोस्त के खिलाफ है। तहरीर के अनुसार, बच्ची से बीते 12 अप्रैल यानी शनिवार को गंदा काम किया गया था। जानकारी के अनुसार, क्रिश्चियन कम्युनिटी के कब्रिस्तान के पास रहने वाले एक परिवार की बच्ची घर के पास खेल रही थी। इसी दौरान उसके पिता का दोस्त उसे अपने साथ कब्रिस्तान में लेते गया और वहीं पर उसके साथ गंदे काम को अंजाम किया। पिता ने बताया कि बच्ची को वहीं छोड़कर आरोपी भाग गया था।सोमवार को पुलिस ने मामला दर्ज किया और पीड़ित बच्ची को मेडिकल मुआयना के लिए भेजा। आरोपी बीएलडब्ल्यू क्षेत्र का निवासी बताया जा रहा है। वह पहले से सेंट मैरीज कैथरेल चर्च में आता-जाता था। शनिवार को बच्ची को अकेला पाकर उसे कब्रिस्तान के एकांत में ले गया था।

सोनभद्र, मिर्जापुर

भाजपाइयों ने बाबा साहब की प्रतिमा व स्थल की स्वच्छता व माल्यार्पण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव सिंह प्रदेश कार्यसमिति भाजपा की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में मुख्यरूप से जिला महामंत्री कृष्ण मुरारी गुप्ता बलराम

अम्बेडकर की जयंती के ठीक एक दिन पूर्व संगठन के निर्देशानुसार रविवार को भारतीय जनता पार्टी नगर अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव के नेतृत्व में13 अप्रैल को नगर में स्थित बूथ संख्या क्रमशः 31,41,44 पर बाबा साहब की प्रतिमा व स्थल की स्वच्छता माल्यार्पण एवं संविधान प्रस्तावना का वाचन मुख्यअतिथि क्रमशः अजीत चौबे निवर्तमान जिलाध्यक्ष भाजपा , धर्मवीर तिवारी पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा , रामलखन सोनी अभियान के संयोजक अशोक भारती अनुपम तिवारी धीरेंद्र पांडे रजनीश रघुवंशीअमन मौर्या अभिषेक गुप्ता अजय श्रीवास्तव दुर्गेश केडिया आशीष संतोष भारती अविनाश शुक्ला अजय श्रीवास्तव आशीष केसरी दुर्गेश केडिया अशोक भारती आलोक रावत अनुराग सिंह नीरज विश्वकर्मा विनोद सोनी भैयालाल धर्मवीर त्यागी राजबहादुर पटेल सहित नगर के भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सकारात्मक सोच, संवेदनशील दृष्टिकोण और सतत प्रयास ही सामाजिक परिवर्तन की कुंजी हैं-इंदु सिंह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

अनपरा सोनभद्र। दिशिता महिला मंडल रेनुसागरठ द्वारा वर्ष भर किए गये सामाजिक उत्थान की दिशा में उल्लेखनीय कार्य में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, संविदा

कर्मियों एवं वालंटियर्स के सम्मान में अभिनन्दन समारोह कार्यक्रम का किया आयोजन । यह कार्यक्रम दिशिता महिला मंडल रेनुसागर के कार्यालय परिसर के सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दिशिता महिला मंडल रेनुसागर की अध्यक्षा श्रीमती इंदु सिंह रहीं।मुख्य अतिथि दिशिता महिला मंडल रेनुसागर की अध्यक्षा इंदु सिंह ने अधिकारियों, कर्मचारियों, संविदा कर्मियों एवं वालंटियर्स को सामाजिक उत्थान में सहयोग करने पर पुरस्कृत कर अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि ठहमारे सभी सामाजिक उत्थान की सफलता केवल महिला मंडल के प्रयासों से संभव नहीं होती, बल्कि इसमें उन सभी सहयोगियों की अहम भूमिका होती है, जिन्होंने किसी न किसी रूप में सहयोग दिया है। ऐसे सभी सहयोगकर्ताओं का आज हम आभार व्यक्त करते हैं और उन्हें सम्मानित कर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि आप सभी के सहयोग से दिशिता महिला मंडल रेनुसागर की यह पहल न केवल रेनुसागर क्षेत्र में बल्कि आसपास के ग्रामीण अंचलों में भी समाज के वंचित वर्ग तक राहत पहुंचाने और उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में प्रेरणादायक उदाहरण बन कर उभरी है।अंत मे मैं यही कहूंगी कि ठ सकारात्मक सोच, संवेदनशील दृष्टिकोण और सतत प्रयास ही सामाजिक परिवर्तन की कुंजी हैं।ङ्क ठकार्यक्रम का सफल संचालन दिशिता महिला मंडल रेनुसागर की सचिव कविता श्रीमाली रही।इस अवसर पर दिशिता महिला मंडल की वरिष्ठ सदस्याएं विभा शैलेश सिंह मेनका अरोरा,विभा मनीष सिंह,तूलिका श्रीवास्तव, ललित खुराना,सौम्या मिश्रा,डीपी सिंह,ए के गाजिया,अशोक द्विवेदी,संजीव श्रीवास्तव,संतोष श्रीवास्तव,परवेज आलम,वकील विश्वकर्मा सहित भारी संख्या में दिशिता महिला मंडल रेनुसागर की सदस्याएं, अधिकारी ,कर्मचारी,संविदाकर्मी एवं वॉलिंटियर्स मौजूद रहे।

बिना परमिशन स्थापित की मूर्ति हुआ विवाद छावनी में तब्दील पुलिस फोर्स

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम धोबही में सोमवार की सुबह बैगर सरकारी अनुमति के बाबा साहब की प्रतिमा लगाए जाने को लेकर दो गुटों में उपजा मतभेद पुलिस पीएसी के भारी फोर्स मौजूद काफी समझाने बुझाने के बाद मामला हुआ शान। जानकारी के अनुसार ब्राह्मण परिवार के समीप खाली पड़ी सरकारी भूमि पर प्रतिमा लगाए जाने को लेकर विवाद की बात आई सामने।वही पूर्व में किसी अधिकारी से नहीं ली गई है मूर्ति लगाने की अनुमति । सुबह आपस में भिड़े दो गुट सूचना पर पहुंची भारी पुलिस फोर्स सूत्रों की माने तो ग्राम प्रधान के सर पर ग्रामीणों द्वारा की गई हरकत वहीं सूत्रों ने बताया कि ग्राम प्रधान द्वारा बाबा साहब के प्रतिमा स्थापित करने के लिए बिल्डिंग मटेरियल के सामग्री भी उपलब्ध कराई गई मामले में की जा रही है जांच।वही विवाद के बाद पहुंची पुलिस ने मूर्ति को उचित स्थान पर रखवाकर मनाई जा रही बाबा साहब की जयंती। मौके पर कानून व्यवस्था की गई है नियंत्रित। वही इस मामले में एडिशनल एसपी मुख्यालय कालू सिंह ने बताया कि सरकारी जमीन पर बिना अनुमति के मूर्ति स्थापित की गई थी जिसको हटा दिया गया है आपस में मिलजुल कर बाबा साहब की जयंती मनाई जा रही है मामले की जांच को दिशा निर्देशित किया गया है।

बाबा साहब का संकल्प हर व्यक्ति हो शिक्षितःअमरेंद्र बहादुर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में जिला स्तरीय बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती (जन्मदिवस) बसपा जिला कार्यालय प्रांगण राबर्ट्सगंज सोनभद्र में बड़े ही हरसोलस के साथ मनाया गया और संगोष्ठी का कार्यक्रम आयोजित किया गया । अध्यक्षता पूर्व जिला

पंचायत अध्यक्ष हीरालाल सायन ने किया ।मुख्य अतिथि के रूप में अमरेंद्र बहादुर भारतीय मुख्य सेक्टर प्रभारी मिर्जापुर मंडल ,व जगन्नाथ पाल साहब मुख्य सेक्टर प्रभारी मिर्जापुर मंडल रहे ।विशिष्ट अतिथि के रूप में पन्नालाल साहब, जिला प्रभारी प्रीतम गिरी साहब जिला प्रभारी , रामचंद्र रत्न जिला अध्यक्ष सोनभद्र, मनोज कुशवाहा पूर्व जिला प्रभारी साहब मुख्य सेक्टर प्रभारी , अविनाश शुक्ला रमेश कुशवाहा परमेश्वर भारती डॉक्टर ओपी मौर्या बी सागर साहब पूर्व जिला अध्यक्ष मंडल, रामविचार गौतम मंडल अविनाश शुक्ला नीरज श्रीवास्तव जिला पंचायत सदस्य।बैठक का सफल संचालन जिला महासचिव डॉक्टर राम अवतार चौहान ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि आज बड़ा ही पावन अवसर है बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को पूरी दुनिया पूज रही है आज पूरी दुनिया में बाबा साहब की जयंती मनाई जा रही है बाबा साहब के संघर्षों के ऊपर संगोष्ठी की जा रही है सभी राजनीतिक दल बाबा साहब के नाम को बुलाने का काम कर रहे हैं दलित शोषित वंचित समाज को गुमराह करके उनके नाम से वोट लेने का काम कर रहे हैं सही मायने में बाबा साहब के विचारों पर चलने वाली पार्टी मंत्र बहुजन समाज पार्टी ही है जो बाबा साहब के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए मान्यवर मसीहा कांशीराम साहब ने बहुजन समाज पार्टी बना करके देश में परिवर्तन लाने का काम किया और बहुजन समाज को उनके हित के लिए बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के विचारधारा से जोड़ने का काम किया बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के संघर्षों पर जितनी बात किया जाए वह काम है बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जीवन पर्यंत संघर्ष करते रहे और बहुजन समाज के लिए अपने बच्चों को निछावर कर दिया और कहा कि देश में करोड़ करोड़ दलित सूचित वंचित समाज ही हमारा परिवार है जिसके लिए तमाम या तनाव को जेल करके बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने भारतीय संविधान का निर्माण करके देश में सर्व समाज के हित के लिए व्यवस्था को बनाने का काम किया जो आज खुली हवा में सांस लेने का काम कर रहे हैं वह बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर साहब की देन है इसलिए बाबा साहब के विचारों पर चलकर के हमें परिवर्तन लाने की जरूरत है तभी बहुजन समाज का भला हो पाएगा और बहन जी के हाथों को मजबूत करके पुनः सत्ता में वापसी करने की जरूरत है। जिला अध्यक्ष रामचंद्र रत्ना ने कहा कि आज वर्तमान की सरकार दलित शोषित वंचित समाज के साथ दुर्व्यवहार करने का काम कर रही है इनको हर व्यवस्था से वंचित किया जा रहा है चारों तरफ भ्रष्टाचार अत्याचार और गरीब से गरीब व्यक्तियों का शोषण कर रही है कानून व्यवस्था ध्वस्त है ऐसी सरकारों को बने रहने का कोई अधिकार नही है बहुजन समाज के लोगों को जागना होगा। बी सागर साहब ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनाने के सेक्टर से लेकर बुथ तक संगठन को मजबूती प्रदान करने की जरूरत है परम बहन कुमारी मायावती के निर्देश पर सेक्टर को दुरुस्त करने के लिए अभियान चलाकर मजबूती प्रदान करना है तभी आने वाले समय में हम सभी लोगों को मिलकर बहुजन समाज पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार बनाएं ज़रूरत है। तभी बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की उद्देश्य को सफ़लता मिलेगी । अध्यक्षता कर रहे । बसपा जिला प्रभारी पन्नालाल साहब ने कहा कि सेक्टर से लेकर बूथ तक के कार्यकर्ताओं के साथ भाईचारा बनाकर पुनः संगठन के मजबूती पर काम करना है जिले के एक-एक बूथ पर मिशनरी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर अभियान चलाकर कंधे से कंधा मिलाकर बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर बहुजन नायक मसीहा मान्यवर कांशीराम साहब के सपनों को पूरा करने के लिए तत्काल प्रभाव से जुट जाएं आने वाले समय में बहुजनों की ताकत को दिखाकर अधिक से अधिक सीटें जीत कर बहन के हाथों को मजबूत करें। बैठक में मुख्य रूप से श्री भगवान भारती महासचिव ,सेकरार अहमद जिला उपाध्यक्ष ,उमेश कुशवाहा ,बलवंत रंगीला ,पवन प्रधान साहित्य सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बे मौसम हुई बारिश ने किसानों को किया बेहाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

चोपन/सोनभद्र। सोमवार की शाम चोपन विकास खंड क्षेत्र के विभिन्न

हिस्सों में हुई बारिश ने जहां गर्मी से निजात दिलाया तो किसानों के लिए आफत बन गई। गौरतलब हो कि इस वक्त गेहूं समेत अन्य फसलों की कटाई का सीजन चल रहा तो खलिहान में भी आसमान के नीचे बहुत सी फसलें पड़ी हैं। बारिश के होने से किसान परेशान दिखाई दिए जैसे तैसे खलिहान में रखी फसल को बचाने का अपूर्ण प्रयास भी किए किंतु पानी देर तक लगातार बरसने की वजह से खलिहान में पानी लग गया और अब किसानों को फसलों के बर्बाद होने का डर भी सता रहा है। जहां इस खेती के बाद पूरे साल का खर्च और कर्ज निर्भर रहता है तो बर्बाद होती फसलों की वजह से किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें साफ दिखाई देने लगी हैं। चोपन विकास खंड के बड़गांवॉ निवासी राजेश दुबे ने बताया कि अभी आधी से अधिक फैसले खेत और खलिहान में ही पड़ी हुई हैं जो अब से पहले सूखे को झेल कर किसी प्रकार से तैयार किया गया था तो अब वहीं असमय ही बारिश की वजह से फसलों में दाग लगने और सड़ने की संभावना है। जबकि इसी फसल से बेच कर गांव में किसान शादी व्याह और अन्य जरूरतें पूरी करते हैं चाहे आने वाले समय में धान की खेती करना हो या फिर कृषि कार्य संबंधित अन्य जरूरतें सभी के लिए यह चिंता का विषय बना हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय भारतीय विराट कुश्ती दंगल का आयोजन ब्रहा विद्यालय एवं आश्रम लोढ़ी के सामने हुआ सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। अंतरराष्ट्रीय भारतीय विराट कुश्ती दंगल का आयोजन लोढ़ी में किया गया रविवार को बड़े हर्ष व उल्लास के साथ दंगल का आयोजन किया गया ।महिला पहलवान व पुरुष पहलवान का हुआ दंगल एक से एक पहलवानों ने दाव पेच लगाया रावटसगंज नगर पालिका स्थित आर्टियो आफिस के पास हुआ।चंचल यादव व राजू यादव ने आये हुए पहलवानों का माल्या अर्पण कर सम्मान किया उसके बाद पहलवानों का हाथ मिलवाकर चालू करवाया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित कमलेश पाण्डेय,चंचल यादव,राजू यादव,तनबीर यादव,कमलेश नेता यादव,सोबित सिंह ,समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

पेड़ से लटकी मिली भाई-बहन की लाश, पहुंची पुलिस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मिर्जापुर। मिर्जापुर के निनवार उत्तर गांव में दो लाशें मिलने की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। आसपास के लोगों से पूछताछ के बाद शव को कब्जे में ले लिया गया। गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही थीं। मिर्जापुर के लालगंज थाना क्षेत्र के निनवार उत्तर गांव में सोमवार की सुबह उस गांव के बाहर तालाब के पास आम के पेड़ से युवक और युवती के शव फंदे से लटकता मिला। ग्रामीणों ने यह दृश्य देखा तो शोर मचा दिया और कुछ ही देर में मौके पर भीड़ जमा हो गई।सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष संजय सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शवों को नीचे उतरवाया।

कलश यात्रा में लगे भोलेनाथ के जयकारे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सोनभद्र नगर के मां

शीतला धाम के पास स्थित दूधेश्वर महादेव मंदिर के स्थापना दिवस पर सोमवार को सुबह 10 बजे से रुद्राभिषेक आयोजन किया गया। जिसमें मंदिर प्रांगण में भारी संख्या में उपस्थित शिव भक्तों ने रुद्राभिषेक किया। इसके पश्चात मंदिर समिति द्वारा शाम 4:00 बजे से नगर में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा दूधेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ हुई और संपूर्ण नगर में भ्रमण करते हुए पुनः मंदिर पर जाकर सम्पन हुई। इस कलश यात्रा में शिव पार्वती के वेश में सजे कलाकार आकर्षण का मुख्य केंद्र रहे। शोभा यात्रा के दौरान माताये एवं बहने सिर पर कलश धारण किए भगवान शिव के भक्तिमय गीत गाते हुए चल रही थी तो दूसरी ओर डीजे के भक्तिमय धुन पर युवा और युवतियों के पैर थिरक रहे थे। इस कलश शोभायात्रा में नगर के सभी वर्ग के लोग भगवान भोलेनाथ का जयकारा लगाते हुए हाथों में भगवा ध्वज लिए गगनभेदी उद्घोष कर रहे थे। इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विजय जैन, कृष्ण मुरारी गुप्ता, रामजी मोदनवाल, मंगल केसरी, राजेश जायसवाल, किशोरी केसरी, पवन केसरी, गोविंद केसरी, सचिन गुप्ता, दीपक केशरी, चंदन, प्रियांशु, हर्ष, नीरज अनिकेत, अमन, अनुराग अमित, विक्की, सोनू, मनोज केसरी, नंदलाल, अशोक, राजेश, प्रकाश, संतोष, बृजेश गोपाल, हरिहर, रिशु, उमेश केसरी, सरोज केसरी, संगीता गुप्ता, शालू केसरी, मंजू गिरी, चंद्रकला, कलावती, गुड़िया, सावित्री देवी सहित अन्य शिवभक्त कलश यात्रा में शामिल हुए।

बाबासाहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके शुरू हुआ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

डाला सोनभद्र। भारत के संविधान निर्माता और भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 134वीं जयंती सोमवार को डाला शहीद स्थल पर पूरे श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया।कार्यक्रम की शुरुआत बाबासाहेब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके शुरू हुआ।कार्यक्रम के संरक्षक मंगला प्रसाद जायसवाल ने कहा कि भारतीय इतिहास बाबा साहेब के अम्बेडकर की जयंती मना रहा हैं।उन्होंने देश को एक ऐसी किताब लिखकर दिया जिसमें सभी के लिए समान अवसर तथा समान अधिकार हैं।पुरा विश्व भारत रत्न बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिभा का लोहा मानता हैं।बाबा साहेब ने अस्पृश्यता,छुआ-छूत और पाखंड आडम्बर पर मुखर होकर अपनी बात रखी उन्होंने समाजिक व्यवस्था में सभी को समान अवसर मिले इसके लिए उन्होंने अपना

योगदान को कभी भुला नहीं सकता हैं।आज सभी को बोलने की स्वतंत्रता,जीवन जीने की स्वतंत्रता और यह आजादी सब भारतीय संविधान से ही मिला हैं।कोषाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने भी बाबा साहेब की चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके कहा कि आज की युवा पीढ़ी को बाबासाहेब अम्बेडकर की जीवन से प्रेरणा लेना चाहिए तथा उनके पग चिन्हों पर चलने का प्रयास करना चाहिए जिससे एक बेहतर समाज बनाया जा सके।वहीं कार्यक्रम अध्यक्ष राणा सुभाष राव अम्बेडकर ने कहा कि आज पुरा देश भारत रत्न बाबासाहेब सर्वस्व लगा दिया।कार्यक्रम सम्बोधन के पश्चात सैकड़ों की संख्या में आवाम इंडियन बैंक से होते हुए डाला शहीद स्थल तक पद मार्च निकाला गया।पद मार्च में जय भीम,बाबा साहेब अमर रहे,सबको समान अधिकार आदि के नारे के उदघोष से पुरा नगर गुंजायमान हो उठा।इस मौके पर मंगला प्रसाद जायसवाल, पारसनाथ यादव,राणा सुभाष राव अम्बेडकर,आमिल बेग,राजेश भारती,लक्ष्मण प्रसाद,अहमद हुसैन,सिकंदर,परवेज अहमद,जावेद,सुशीला पटेल आदि सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

हाइवा की चपेट में आकर दो युवकों की मौत, घर चल रही थी शादी की तैयारियां; मातम में बदलीं खुशियां

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सोनभद्र के सिदहवां गांव में हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई। आसपास के लोगों ने मृतकों की पहचान की। बताया जा रहा है कि युवक के घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सोनभद्र में वाराणसी-शक्तिनगर हाइवे पर सिदहवां में सोमवार को हाइवा की चपेट में आने से बाइक सवार किशोर समेत दो लोगों की मौत हो गई। हादसे में दोनों के सिर में गंभीर चोट आई थीं। दोनों आपस में रिश्तेदार थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया है।जानकारी के अनुसार, मकरा ग्राम पंचायत निवासी अंजनी भारती का पुत्र अंशू (14) सोमवार को मप्र के सिंगरौली जिले के शिवपहरी निवासी नीरज (18) के साथ बाइक से अनपरा की ओर आ रहा था। वह बैरपान के सिदहवा मोर्चानाला स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचा ही था तभी तेल भराकर निकल रहे हाइवा ने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया। बताते हैं कि अंशु के ननिहाल में उसकी मौसी की शादी अगले माह है। इसी को लेकर घर तैयारी चल रही है। नीरज भी अपने जीजा के यहां शादी में शामिल होने के लिए आया था। दुर्घटना से घर में मातम का माहौल पसरा हुआ है।

एक सीटी स्कैन मशीन शुरू नहीं, दूसरी लगाने की तैयारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मिर्जापुर। मंडलीय अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन लगे आठ माह से अधिक समय बीत गया है, लेकिन अभी तक न रेडियोलाजिस्ट की तैनाती हो सकी न लाइसेंस प्रकिया पूरी हो पाई। ऐसे में एक मशीन शुरू नहीं हो पाई और दूसरी मशीन लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। दावा है कि पीपीपी मॉडल पर यह सुविधा मरीजों को मिलने लगेगी।मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. आरबी कमल के प्रयास से एक साल पहले मंडलीय अस्पताल में पांच करोड़ रुपये से पुरानी इमरजेंसी के कमरे में सीटी स्कैन मशीन लगाने की प्रक्रिया शुरु हुई थी। आठ माह पहले मशीन लगाने का काम तो पूरा हो गया था लेकिन अभी तक रेडियोलाजिस्ट की तैनाती नहीं हो पाई। इसके चलते लाइसेंस की प्रक्रिया लटकी हुई है। ऐसे में आठ महीने के बाद भी सीटी स्कैन जांच की सुविधा शुरू नहीं हो पाई। अब अस्पताल में एनएचएम की ओर से पीपीपी मॉडल पर दूसरी सीटी स्कैन मशीन लगाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके लिए राष्ट्रीय एजेंसी कृष्णा डायग्नोस्टिक लिमिटेड से करार हुआ है। दावा है कि दो महीने में निर्धारित संस्था अस्पताल में जांच की सुविधा शुरू कर देगी।लाइसेंस प्रक्रिया पूरी न होने के कारण सीटी स्कैन की सुविधा शुरू नहीं हो पाई थी। अब प्रदेश स्तर पर कृष्णा डायग्नोस्टिक लिमिटेड से करार हुआ है। पीपीपी मॉडल पर दो महीने में यह सुविधा शुरू हो जाएगी।

210 करोड़ की रिवैंप योजना, फिर भी नहीं सुधरी बिजली व्यवस्था

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मिर्जापुर। जिले में 210 करोड़ की रिवैंप योजना के बाद भी बिजली व्यवस्था दुरुस्त नहीं हो पाई। ग्रामीण इलाकों ही नहीं, नगर में भी बांस-बल्लियों के सहारे बिजली की आपूर्ति हो रही है। इससे आपूर्ति बाधित होने के साथ ही जगह-जगह तार लटकने से हादसे का खतरा बना रहता है। पटेहरा ब्लॉक के 15 से ज्यादा गांवों में बांस के सहारे ही तार खींचकर कनेक्शन दे दिए गए हैं। नगर के पुरानी दशमी व चंद्रदीपा वार्ड के कई मोहल्लों में बांस या बल्ली के सहारे बिजली के तार पोल से लोगों के घरों तक ले जाए गए हैं। बांसों के सहारे ही पूरे मोहल्ले के कनेक्शन टिके हुए हैं। इससे जहां दुर्घटना का खतरा मंडराता रहता है, वहीं बिजली आपूर्ति भी बाधित होती रहती है। रिवैंप योजना के तहत जर्जर तार और खंभे बदलने का काम बेहद धीमी गति से चल रहा है। सड़कों पर खंभे रख दिए गए हैं लेकिन बदले की सुध अधिकारियों को नहीं है। ऐसे में कई इलाकों में बांस-बल्ली के सहारे ही आपूर्ति हो रही है। स्थानीय नागरिक रामलाल का कहना है कि कनेक्शन का पैसा देने के बाद भी तार अपने पैसे से खरीदा व स्थानीय लोगों ने ही बांस लगवाकर तार को घरों तक पहुंचवाया। विद्युत विभाग के लोग बकाया वसूली के लिए तो आते हैं लेकिन पोल लगाने या तारों की स्थिति देखने कभी नहीं आते। पटेहराः विकास खंड क्षेत्र के दीपनगर पॉवर हाउस से संचालित पटेहरा कला, रामपुर, रेक्सा, बनकी, घोरी, सिरसी, लेदुकी, रामपुर अतरी, पथरौर, मझारी, गोहिया, नेवढ़िया, ककरद, अमोई पुरवा, मलुआ, लालापुर, कन्हईपुर समेत अधिकांश गांव में एक - एक किलोमीटर दूर तक बांस के पोल के सहारे लोगों को बिजली कनेक्शन दिया गया है। कई खंभे जर्जर तो कई पेड़ों के सहारे टिके मिर्जापुर। नगर के कई मोहल्लों में जर्जर पोल हैं। बूढ़ेनाथ मार्ग पर, रामबाग में, वासलीगंज में संकटमोचन मार्ग पर एक पोल को तो पीपल के पेड़ के सहारे बांधा गया है। घास की गली में एक पोल एकदम से टेढ़ा हो गया है। यह स्थित एक-दो दिन की नहीं है, सालों से है लेकिन आज तक पोल नहीं बदला जा सका। अधीक्षण अभियंता रामदास ने बताया कि नगर के हर इलाके में जर्जर तार और खंभे बदले जाएंगे। सभी जगह खंभे पहुंच गए हैं। जल्द ही यह काम पूरा कराया जाएगा।

स्पोर्ट्स

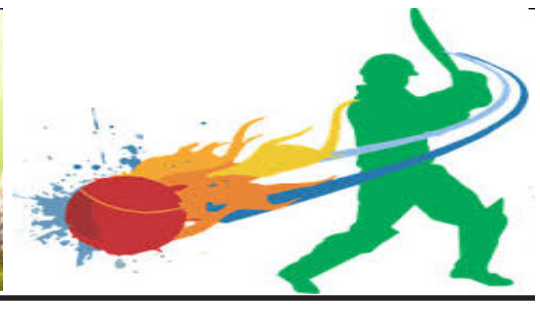

'मुझे एक और मौका 40 गेंद में 89 रन की पारी खेलने वाले करुण नायर का संघर्ष, पढ़कर हो जाएंगे भावुक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। आईपीएल ही नहीं, करुण ने हाल फिलहाल में घरेलू टूर्नामेंट्स में भी खूब रन बनाए हैं। अगर वह आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हैं तो चयनकर्ता इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए उनके नाम पर विचार कर सकते हैं। आईपीएल 2025 में रविवार को खेले गए डबल हेडर के दूसरे मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स की टीम भले ही हार गई हो, लेकिन करुण नायर की बल्लेबाजी ने सभी का दिल जीत लिया। करुण आईपीएल में लगभग तीन साल बाद बल्लेबाजी के लिए उतरे और उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 40 गेंद में 12 चौके और पांच छक्के की मदद से 89 रन की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 222.50 का रहा। करुण की इस धमाकेदार बल्लेबाजी के बाद उनका एक पुराना ट्वीट वायरल हो रहा है। इसमें वह क्रिकेट से खुद को एक और मौका देने की बात कर रहे हैं। आईपीएल ही नहीं, करुण ने हाल फिलहाल में घरेलू क्रिकेट में भी खूब रन बनाए हैं, लेकिन राष्ट्रीय टीम में उन्हें मौका नहीं मिल पाया। अगर वह आईपीएल में इस प्रदर्शन को जारी रखते हैं तो चयनकर्ता इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए उनके नाम पर विचार कर सकते हैं। इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में बदलाव की संभावना है।33 साल के करुण का जो पुराना ट्वीट वायरल हो रहा है, उसमें उन्होंने लिखा था- 'प्रिय क्रिकेट! कृपया मुझे एक और मौका दें।' दिसंबर 2022 में उन्होंने यह ट्वीट किया था। तब घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले करुण नायर को मौका नहीं मिलने पर उन्होंने यह पोस्ट अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर किया था। उनका करियर तब लगभग खत्म होने पर था। ऐसे में पूरी तरह टूट चुके करुण ने यह पोस्ट किया था। इस पोस्ट के बाद करुण के लिए पिछले दो वर्षों में कुछ चमत्कार सा हुआ है और वह भारतीय टीम का दरवाजा फिर से खटखटाने लगे हैं। हाल ही में हुए विजय हजारे ट्रॉफी में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन कर सभी को चौंका दिया था। करुण ने इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाए थे और अपनी टीम को अकेले दम पर फाइनल तक ले गए थे। फाइनल में हालांकि, उनकी टीम विदर्भ को कर्नाटक के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। करुण ने इस टूर्नामेंट में आठ पारियों में 389.50 की आश्चर्यजनक औसत और 124.04 के स्ट्राइक रेट से सबसे ज्यादा 779 रन बनाए थे। इनमें पांच शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर नाबाद 163 रन का रहा था। इतना ही नहीं करुण का शानदार प्रदर्शन देश के सबसे प्रतिष्ठित घरेलू रेड बॉल टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी में भी जारी रहा। उनकी टीम विदर्भ रणजी के भी फाइनल में पहुंची और केरल को फाइनल में हराकर रणजी ट्रॉफी अपने नाम किया। करुण इस टूर्नामेंट में चौथे सबसे ज्यादा और विदर्भ के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

करुण ने 16 पारियों में 53.93 की औसत से 863 रन बनाए। इनमें चार शतक और दो अर्धशतक शामिल है। 135 रन की पारी उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी रही। करुण से ज्यादा रन विदर्भ के लिए यश राठौड़ (960 रन) ने बनाए थे। हालांकि, लगातार दो शीर्ष घरेलू टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन से करुण ने भारतीय टीम का दरवाजा जरूर खटखटा दिया है। मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने करुण को उनके बेस प्राइस 50 लाख रुपये में खरीदा था। हालांकि, रविवार को मैच से पहले उन्हें मौका नहीं मिला था। रविवार को जब वह मुंबई के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में उतरे, तो उन्होंने दिखा दिया की फॉर्म अस्थाई है और क्लास स्थाई है। विजय हजारे, रणजी और अब आईपीएल में उनकी बल्लेबाजी देखकर लग रहा है कि क्रिकेट ने शायद उन्हें एक और मौका दे दिया है। करुण ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ केवल 22 गेंद में अर्धशतक लगाया। यह उनके आईपीएल करियर का 11वां अर्धशतक रहा। उन्होंने लगभग सात साल बाद इस टूर्नामेंट में अर्धशतक लगाया। पिछली बार करुण ने ऐसा मई 2018 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ किया था। तब उन्होंने 26 गेंद में 54 रन की पारी खेली थी। करुण बतौर इम्पैक्ट खिलाड़ी मैदान पर उतरे थे और उन्होंने मैच में गजब का इम्पैक्ट डाला। दिल्ली की टीम ने बिना किसी स्कोर पर जेक फ्रेजर मैकगर्क का विकेट गंवा दिया था। इसके बाद तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे करुण ने अभिषेक के साथ दूसरे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी की। करुण के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बुरा हुआ था और उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ चेन्नई में तिहरा शतक लगाने के बाद ड्रॉप कर दिया गया था। करुण ने दिसंबर 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 303 रन बनाए थे। हालांकि, इसके बाद वह तीन टेस्ट और खेले और चार पारियों में 54 रन बनाए। हालांकि, चयनकर्ताओं ने उन्हें फिर कभी भारतीय टीम में खेलने का मौका नहीं दिया। पर उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और लगातार मेहनत करते रहे और किस्मत अब उनके साथ खड़ा है। घरेलू टूर्नामेंट्स और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर उन्होंने अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति के सामने दावेदारी पेश की है।करुण ने अपने 'एक मौका और' वाले ट्वीट को लेकर इंडियन एक्सप्रेस से कहा था, 'जब मैंने वह ट्वीट किया था तो वह एक भावुक क्षण था।' उन्होंने कहा, 'टीम इंडिया से ड्रॉप होने के बाद छह से सात महीने तक जब मैंने कोई क्रिकेट नहीं खेला तो मैंने नेट अभ्यास के लिए दिन में तीन घंटे नेट्स में बिताए। मेरे पास और कोई विकल्प नहीं था। किसी भी प्रारूप के लिए मेरे नाम पर विचार नहीं किया गया और मैं उस समय काफी भावुक था। मुझे आगे बढ़ना था और खुद पर काम करना था। आगे बढ़ना आसान नहीं था, मुझे इससे उबरने के लिए कुछ महीनों की जरूरत थी और फिर अपने कौशल और मानसिकता पर अभ्यास करना शुरू कर दिया। मैं कहूंगा कि मैं सिर्फ खुद को तैयार कर रहा था ताकि जब मुझे एक और मौका मिले तो मैं किसी को मुझे बाहर करने का बहाना नहीं दूं। इसके लिए मुझे रन बनाने और निरंतर प्रदर्शन करने की जरूरत थी। इसलिए मैंने अपने खेल में वापसी के लिए कड़ी मेहनत की।'इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया था कि अब जब विराट कोहली और रोहित शर्मा अपने करियर के अंतिम मोड़ पर हैं, तो करुण नायर के अनुभव का इस्तेमाल किया जा सकता है और उन्हें टेस्ट में मौका मिल सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय टेस्ट टीम में बदलाव के इस दौर में चयनकर्ता करुण को फिर से शामिल करने में दिलचस्पी दिखा सकते हैं। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ और फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में मध्यक्रम में एक इनफॉर्म खिलाड़ी फायदेमंद साबित हो सकता है। एक समय था जब करुण को घरेलू टूर्नामेंट में भी कोई टीम शामिल नहीं कर रही थी। इसके बाद भारत के पूर्व अंतरराष्ट्रीय और वर्तमान बीसीसीआई जनरल मैनेजर अबे कुरुविला उनके बचाव में आए थे। करुण बताते हैं, 'अंडर-19 के दिनों में वह मेरे चयनकर्ता थे। ऐसे में मुझे उनके पास जाकर यह कहने की आजादी थी कि मैं खेलने के लिए टीम ढूंढ रहा हूं और क्या आप मदद कर सकते हैं।

मेरी जगह है वो', पिटाई के बाद बौखलाए बुमराह ड्रिंक्स में करुण से उलझे; हार्दिक-रोहित बीच में कूदे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में दिल्ली कैपिटल्स के स्टार बल्लेबाज करुण नायर ने धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने जसप्रीत बुमराह को निशाना बनाकर एक ही ओवर में 18 रन ठोके और अर्धशतक पूरा किया। की समाप्ति के बाद स्ट्रेटजिक टाइमआउट हुआ और बुमराह को करुण नायर से कुछ कहते सुना गया। दरसअल, जब नायर आखिरी दो रन के लिए दौड़ रहे थे तभी उनकी बुमराह से टक्कर हो गई थी। यह बात तेज गेंदबाज को हजम नहीं हुई। बुमराह को उनसे

इस मैच में 33 वर्षीय बल्लेबाज ने 22 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का 11वां पचासा पूरा किया। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में दिल्ली कैपिटल्स के स्टार बल्लेबाज करुण नायर ने धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने जसप्रीत बुमराह को निशाना बनाकर एक ही ओवर में 18 रन ठोके और अर्धशतक पूरा किया। इस मैच में 33 वर्षीय बल्लेबाज ने 22 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का 11वां पचासा पूरा किया। मैच के दौरान बुमराह और नायर के बीच हल्की-फुल्की बहस भी हुई जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।यह घटना पावरप्ले की समाप्ति के बाद की है। छठा ओवर जसप्रीत बुमराह ने फेंका। इस ओवर में करुण नायर ने दो छक्के, एक चौके और दो रन की मदद से 18 रन बटोरे। इसी के साथ नायर ने 22 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इस ओवर कहते सुना गया कि जिस जगह तुम दौड़कर आए वो मेरी जगह थी। करुण भी इसपर जवाब देते हैं। हालांकि, हार्दिक पांड्या बीच में आकर दोनों को अलग करते हैं। वहीं, रोहित शर्मा करुण नायर से इशारों-इशारों में मजाक मस्ती करते दिखते हैं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मुंबई के खिलाफ बतौर इम्पैक्ट खिलाड़ी खेलने आए करुण नायर ने घरेलू क्रिकेट का फॉर्म बरकरार रखा है। उन्होंने पिछले घरेलू सत्र में नौ शतक जड़े थे। इस मैच में नायर ने बुमराह की भी जमकर पिटाई की। उन्होंने तेज गेंदबाज के खिलाफ कुल नौ गेंदें खेलीं और 26 रन बटोरे। इसी के साथ वह आईपीएल में बुमराह के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। 2016 में शिखर धवन ने 16 गेंदों में बुमराह के खिलाफ 27 रन बनाए थे।

आईसीसी की नई पहल, अफगानिस्तान की विस्थापित महिला क्रिकेटरों के लिए टास्क फोर्स का गठन किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। इस पहल के हिस्से के रूप में आईसीसी प्रत्यक्ष मौद्रिक सहायता प्रदान करने के लिए एक समर्पित कोष स्थापित करेगा जिससे कि यह सुनिश्चित हो सके कि इन क्रिकेटरों के पास वे संसाधन हों जिनकी उन्हें अपने पसंदीदा खेल को जारी रखने के लिए आवश्यकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अफगानिस्तान की विस्थापित महिला क्रिकेटरों की सहायता के लिए रविवार को एक समर्पित टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की। अफगानिस्तान की कई महिला क्रिकेटर अब ऑस्ट्रेलिया में निर्वासन में रह रही हैं और इसके लिए खेल की सर्वोच्च संस्था ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और इंग्लैंड तथा ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट बोर्ड के साथ सहयोग किया है। एक ऐतिहासिक पहल में आईसीसी ने खेल के तीन सबसे प्रभावशाली बोर्ड- बीसीसीआई, इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी), और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के साथ हाथ मिलाया है जिससे कि 'इन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उनके क्रिकेट और व्यक्तिगत विकास दोनों यात्राओं में सहायता मिल सके'। इस पहल के हिस्से के रूप में आईसीसी प्रत्यक्ष

मौद्रिक सहायता प्रदान करने के लिए एक समर्पित कोष स्थापित करेगा जिससे कि यह सुनिश्चित हो सके कि इन क्रिकेटरों के पास वे संसाधन हों जिनकी उन्हें अपने पसंदीदा खेल को जारी रखने के लिए आवश्यकता है। आईसीसी ने विज्ञप्ति में कहा कि इसके साथ ही एक मजबूत हाई परफोर्मेंस कार्यक्रम भी होगा जिसमें उन्नत कोचिंग, विश्व स्तरीय सुविधाएं और उन्हें अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने में मदद करने के लिए अनुकूलित मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद में हम समावेशिता को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हर क्रिकेटर को अपने हालात की परवाह किए बिना चमकने का अवसर मिले। हमारे मूल्यवान भागीदारों के सहयोग से हमें इस कार्यबल और सहायता कोष को शुरू करने पर गर्व है जिसके साथ व्यापक हाई परफोर्मेंस कार्यक्रम भी होगा जिससे कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अफगानिस्तान की विस्थापित महिला क्रिकेटर खेल में अपनी यात्रा जारी रख सकें। यह पहल क्रिकेट के वैश्विक विकास और एकता, लचीलापन और आशा को प्रेरित करने की इसकी शक्ति के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आईसीसी का मानना है कि यह पहल ना केवल अफगानिस्तान की महिला क्रिकेटरों के खेल करियर को संरक्षित करने में मदद करेगी बल्कि सीमाओं और प्रतिकूलताओं से परे एक एकीकृत शक्ति के रूप में खेल की भूमिका को भी मजबूत करेगी। वर्ष 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद से अफगानिस्तान में महिलाओं को खेलों से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

मुंबई ने रोका दिल्ली का विजय रथ, आईपीएल में दूसरी बार एक ओवर में तीन रनआउट हुए; अंक तालिका का हाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने तिलक वर्मा की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 205 रन बनाए। जवाब में दिल्ली की टीम 19वें ओवर में 193 रन पर ऑलआउट हो गई। उनके तीन बल्लेबाज 19वें ओवर की आखिरी तीन में रनआउट हो गए। मौजूदा सत्र में करुण नायर ने संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी हुई। कर्ण शर्मा ने पोरेल को अपना शिकार बनाया। वह 25 गेंदों में 33 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, सेंटनर ने करुण नायर को बोल्ड किया। उन्होंने 40 गेंदों में 12 चौके और पांच छक्के की मदद से 89 रन बनाए। दिल्ली के लिए केएल राहुल ने 15, अक्षर पटेल ने नौ,

यह दिल्ली की पहली शिकस्त है। मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 12 रन से हराकर जीत की पटरी पर वापसी कर ली है। रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने तिलक वर्मा की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 205 रन बनाए। जवाब में दिल्ली की टीम 19वें ओवर में 193 रन पर ऑलआउट हो गई। उनके तीन बल्लेबाज 19वें ओवर की आखिरी तीन में रनआउट हो गए। आईपीएल में ऐसा दूसरी बार हुआ है जब एक ओवर में तीन रनआउट हुए हैं। इससे पहले 2008 में मुंबई के तीन बल्लेबाज आखिरी ओवर में रनआउट हुए थे।मौजूदा सत्र में यह दिल्ली की पहली शिकस्त है। अबतक खेले पांच मुकाबलों में दिल्ली ने चार में जीत और एक मैच में हार दर्ज की है। इसी के साथ अक्षर पटेल की टीम अंक तालिका में दूसरे पायदान पर खिसक गई। वहीं, मुंबई छह मैचों में दूसरी जीत के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गई। शीर्ष पर गुजरात टाइटंस है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली को पहले ओवर की पहली ही गेंद पर दीपक चाहर ने तगड़ा झटका दिया था। उन्होंने जेक फ्रेजर मैकगर्क को विल जैक्स के हाथों कैच कराया। इसके बाद मोर्चा अभिषेक पोरेल और स्टब्स ने एक, आशुतोष शर्मा ने 17, विप्रज निगम ने 14, कुलदीप यादव ने एक रन बनाया। वहीं, मोहित शर्मा बिना खाता खोले आउट हुए जबकि मिचेल स्टार्क एक रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई के लिए कर्ण शर्मा ने तीन जबकि मिचेल सेंटनर ने दो विकेट झटके। वहीं, दीपक चाहर और जसप्रीत बुमराह को एक-एक सफलता मिली। इस मैच में मुंबई की शुरुआत अच्छी हुई। रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन के बीच पहले विकेट के लिए 47 रन की साझेदारी हुई जिसे विप्रज निगम ने तोड़ा। उन्होंने हिटमैन को एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह सिर्फ 18 रन बना सके। हालांकि, यह इस सत्र का उनका सबसे बड़ा स्कोर है। इसके बाद मोर्चा सूर्यकुमार यादव ने संभाला। उन्होंने रेयान के साथ दूसरे विकेट के लिए 28 और तीसरे विकेट के लिए तिलक वर्मा के साथ 60 रनों की साझेदारी की। सूर्यकुमार ने पांच चौके और दो छक्के की मदद से 40 रन बनाए जबकि रेयान ने 41 और तिलक ने 59 रनों की दमदार पारी खेली। दिल्ली के खिलाफ हार्दिक पांड्या सिर्फ दो रन बना सके। वहीं, नमन धीर 38 और विल जैक्स एक रन बनाकर नाबाद रहे। इस दौरान दिल्ली के लिए कुलदीप यादव और विप्रज निगम ने दो-दो विकेट झटके जबकि मुकेश कुमार को एक सफलता मिली।

हमने पावरप्ले में ही मैच गंवा दिया', आरसीबी से मिली शिकस्त पर आया कप्तान संजू सैमसन का बयान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। आरसीबी के लिए सॉल्ट ने 33 गेंदों पर पांच चौकों और छह छक्कों की मदद से 65 रन बनाए, जबकि कोहली 45 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों के सहारे 62 रन बनाकर नाबाद लौटे। इनके अलावा इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे देवदत्त पडिक्कल ने 28 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 40 रन बनाए। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए हरे रंग की जर्सी पहनकर खेलती है। आरसीबी के लिए ग्रीन जर्सी में रिकॉर्ड कुछ खास नहीं रहा है, लेकिन राजस्थान के खिलाफ वह जीत दर्ज करने में सफल रही। आरसीबी की ग्रीन जर्सी में यह पांचवीं जीत है। उसने ग्रीन जर्सी पहनते हुए दो बार राजस्थान को हराया है। सैमसन ने आगे कहा- मुझे पता था कि सॉल्ट और कोहली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने विराट कोहली और फिल सॉल्ट के अर्धशतकों की मदद से राजस्थान रॉयल्स को नौ विकेट से हराया। राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 173 रन बनाए थे। जवाब में आरसीबी ने 17.3 ओवर में एक विकेट पर 175 रन बनाकर मैच जीत लिया। इस मैच के बाद राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने कहा कि उन्होंने पावरप्ले में ही मुकाबला गंवा दिया था।आरसीबी के लिए सॉल्ट ने 33 गेंदों पर पांच चौकों और छह छक्कों की मदद से 65 रन बनाए, जबकि कोहली 45 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों के सहारे 62 रन बनाकर नाबाद लौटे। इनके अलावा इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे देवदत्त पडिक्कल ने 28 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 40 रन बनाए। टीम की लगातार दूसरी हार के बाद सैमसन ने कहा- धीमे विकेट पर टॉस हारने के बाद 170 रन के आसपास का स्कोर वाकई अच्छा स्कोर था। पावरप्ले में बल्लेबाजी करना मुश्किल था। आरसीबी इस मुकाबले में हरी जर्सी पहनकर उतरी थी।यह टीम हर सीजन कम से कम एक मैच हरी जर्सी में खेलती है। दरअसल, बेंगलुरु की टीम हमें कड़ी टक्कर देंगे। उन्होंने पावरप्ले में ही मैच जीत लिया। इस दौरान राजस्थान के विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपने खिलाड़ियों द्वारा फील्डिंग के दौरान हुई गलती पर भी बात की। उन्होंने कहा- उन्होंने (आरसीबी के खिलाड़ियों ने) हमारे कैच भी छोड़े, हमने भी उनके कैच छोड़े। यह ठीक है, उन्होंने बेहतर बल्लेबाजी की। आरसीबी को श्रेय देना होगा, उनका इरादा बेहतर था। कहना होगा कि टॉस ने मदद की। मैं इस मैच को 19वें या 20वें ओवर तक ले जाना पसंद करता। आरसीबी की जीत से अंक तालिका में बदलाव हुआ है और गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम पांचवें स्थान पर खिसक गई है। आरसीबी छह मैचों में चार जीत और दो हार के साथ आठ अंक लेकर तीसरे स्थान पर आ गई है, जबकि राजस्थान ने भी छह मैच खेले हैं और वह दो जीत, चार हार के साथ चार अंक लेकर सातवें स्थान पर आ गई है। मुकाबले के बाद आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने विराट कोहली के योगदान की तारीफ की। उन्होंने कहा कि विराट ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करके इसे एकतरफा मुकाबला बना दिया। उन्होंने कहा- विकेट बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं था।

राशि फल

मेष कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

वृषभ आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

मिथुन किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

कर्क आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

सिंह आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कन्या नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

तुला आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

वृश्चिक आज आप पतने के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

धनु स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

मकर आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।

कुंभ आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मीन मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

सम्पादकीय

तो क्या अब सुप्रीम कोर्ट से दो-दो हाथ के मूड में हैं ममता

वर्ष 2016 में 25 हजार से शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती के लिए स्कूल सेवा आयोग ने परीक्षा का आयोजन किया था, लेकिन कुछ दिनों बाद ही उसमें भ्रष्टाचार औ? घोटाले के आरोप लगने लगे। चयन से वंचित रहे कई उम्मीदवारों ने मेरिट लिस्ट के खिलाप हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। क्या पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अब शिक्षकों की नौकरी के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट से भी दो-दो हाथ करने के

मूड में हैं। बीते सप्ताह शीर्ष अदालत के फैसले पर करीब 26 हजार शिक्षकों की नौकरियां चली गई हैं। अदालत ने वर्ष 2016 की पूरी भर्ती प्रक्रिया को ही रद्द कर दिया है। लेकिन सोमवार को कोलकाता में नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों से मुलाकात के दौरान ममता ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए कहा कि किसी भी योग्य व्यक्ति की नौकरी नहीं जाएगी। वे अपने जीते-जी ऐसा नहीं होने देंगी। इसके साथ ही उन्होंने इस पूरे मामले को राज्य की शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करने की साजिश भी करार दिया। दरअसल, वर्ष 2016 में 25 हजार से शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती के लिए स्कूल सेवा आयोग ने परीक्षा का आयोजन किया था। लेकिन कुछ दिनों बाद ही उसमें भ्रष्टाचार औ? घोटाले के आरोप लगने लगे। चयन से वंचित रहे कई उम्मीदवारों ने मेरिट लिस्ट के खिलाप हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उसके आधार पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने पहले इस कथित घोटाले की जांच के लिए पहले एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया और उसकी रिपोर्ट के आधार पर इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। सीबीआई ने अपनी जांच के दौरान पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी समेत स्कूल सेवा आयोग के कई अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। उनमें से ज्यादातर अब तक जेल में ही हैं। हाईकोर्ट ने बीते साल इस भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने का फैसला दिया था, लेकिन सरकार, हजारों उम्मीदवारों और स्कूल सेवा आयोग ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। अब साल भर बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी वह फैसला बहाल रखा है।फैसले के बाद आज ममता ने कोलकाता में ऐसे हजारों शिक्षकों से मुलाकात की जिनकी नौकरियां चली गई हैं। इस बैठक में ममता ने कहा कि किसी भी योग्य उम्मीदवार की नौकरी नहीं जाएगी। सरकार पहले सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर करेगी और वहाम से सकारात्मक जवाब नहीं मिलने पर इन उम्मीदवारों के लिए दो महीने के भीतर वैकल्पिक नौकरियों की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही इनमें से किसी की सर्विस भी ब्रेक भी नहीं होगी। लेकिन वह वैकल्पिक व्यवस्था क्या होगी, इसका उन्होंने खुलासा नहीं किया। उनका कहना था कि उनके जीते जी किसी भी योग्य उम्मीदवार की नौकरी नहीं छीनी जा सकती। यह उनके लिए बड़ी चुनौती है। बंगाल की शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करने की साजिश चल रही है। मुख्यमंत्री का कहना था कि योग्य उम्मीदवारों की नौकरी की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। हम कानून के दायरे में ही रह कर यह काम करेंगे। उन्होंने अपील की अगर आप नौकरी दे नहीं सकते तो कम से छीनिए तो मत। मुख्यमंत्री का कहना था कि अगर इन शिक्षकों के समर्थन की वजह से उनको जेल जाना पड़ता है तो वो उसके लिए भी तैयार हैं। ममता बनर्जी के इस बयान को सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सीधी चुनौती माना जा रहा है। हालांकि ममता का कहना था कि उनको किसी जज से कोई शिकायत नहीं है, लेकिन इस फैसले से उनका कलेजा पत्थर का हो गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ममता का यह रवैया कोई नया नहीं है। वो पहले भी कई अदालती फैसले के खिलाफ अक्सर ऐसे ही आक्रामक तेवर अपनाती रही हैं, लेकिन फिलहाल इस मामले में कई सवाल उठ रहे हैं। पहला सवाल यह है कि योग्य और अयोग्य उम्मीदवारों की पहचान कैसे की जाएगी? उसके अलावा यह भी दो महीने के भीतर हजारों लोगों के लिए वैकल्पिक नौकरी का इंतजाम कैसे किया जाएगा? राजनीतिक विश्लेषक शिखा चक्रवर्ती मानती हैं कि शायद इस आक्रामक बयान के जरिए ममता केंद्र सरकार और भाजपा पर दबाव बनाना चाहती हैं। सरकार इस मामले में लगातार कानूनी सलाह भी ले रही है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अमल नहीं करने का क्या नतीजा होगा इस सवाल पर फिलहाल कोई कुछ कहने को तैयार नहीं है।

जब तक घर न पहुंच जाएं, सोना अच्छा नहीं; सकारात्मक विचार रखें

जीवन के अरण्य में डूबे हुए पुरुष पर प्रकृति के मौन व्याख्यानों के प्रयास से, सुनार के छोटे हथौड़े की मंद-मंद चोटों की तरह, जब आचरण का रूप प्रत्यक्ष होता है, तभी मनुष्य सही अर्थों में अपने घर पहुंचता है। विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण की सभ्यता अधिक ज्योतिष्मती है। आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल व्यक्ति भी राजाओं के हृदयों पर अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य और संगीत को अद्भुत सिद्धि प्राप्त होती है। राग अधिक मृदु हो जाता है; विद्या का तीसरा शिव-नेत्र खुल जाता है; चित्रकला का मौन राग अलापने लगता है; वक्ता चुप हो जाता है; लेखक की लेखनी थम जाती है; मूर्तिकार के सामने नए कपोल, नए नयन और नई छवि का दृश्य उपस्थित हो जाता है।आचरण की सभ्यतामयी भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का शब्दकोश शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए शब्द नहीं हैं। यह सभ्य आचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुरों में समाया है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से प्रकट होती है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता-ये सभी सभ्य आचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग बन जाता है।विशाल आत्मा के आचरण से मौन रूपिणी सुगंध सदा प्रसारित होती रहती है। इसकी उपस्थिति से मन और हृदय की ऋतु बदल जाती है। मौन रूपी व्याख्यान की महत्ता इतनी बलवती, इतनी अर्थपूर्ण और इतनी प्रभावशाली होती है कि उसके सामने मातृभाषा, साहित्यिक भाषा और अन्य देशों की भाषाएं सब तुच्छ प्रतीत होती हैं। कोई अन्य भाषा दिव्य नहीं है; केवल आचरण की मौन भाषा ही ईश्वरीय है। विचार करके देखें, मौन व्याख्यान किस तरह आपके हृदय की नाड़ी-नाड़ी में सुंदरता को पिरो देता है। वह व्याख्यान ही क्या, जिसने हृदय की धुन को-मन के लक्ष्य को-बदल न दिया। प्रेम की भाषा शब्दरहित है। नेत्रों की, कपोलों की, मस्तक की भाषा भी शब्दरहित है। जीवन का तत्व भी शब्दों से परे है। सच्चा आचरण-प्रभाव, शील, अचल-स्थित संयुक्त आचरण-न तो साहित्य के लंबे व्याख्यानों से गढ़ा जा सकता है, न वेदों की श्रुतियों के मधुर उपदेशों से, न इंजील से, न कुरान से, न धर्मचर्चा से, न केवल सत्संग से। जीवन के अरण्य में डूबे हुए पुरुष पर प्रकृति और मनुष्य के जीवन के मौन व्याख्यानों के प्रयास से, सुनार के छोटे हथौड़े की मंद-मंद चोटों की तरह, आचरण का रूप प्रत्यक्ष होता है। आचरण की सभ्यता जब संसार में आती है, तब नीले आकाश से मनुष्य को वेद-ध्वनि सुनाई देती है। नर-नारी पुष्पवत खिलते जाते हैं, प्रभात हो जाता है, प्रभात का गजर बज उठता है।

हिंदू ग्राम' से 'हिंदू राष्ट्र' तक की उड़ान में गुंथी सवालों की डोर

मप्र के छतरपुर जिले के गढ़ा ग्राम स्थित बागेश्वर धाम के स्वयंभू पीठाधीश पं.धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने अपने इलाके में 'पहला हिंदू ग्राम' बसाने का एलान कर नई बहस को हवा दे दी है। मप्र के छतरपुर जिले के गढ़ा ग्राम स्थित बागेश्वर धाम के स्वयंभू पीठाधीश पं.धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने अपने इलाके में

'पहला हिंदू ग्राम' बसाने का एलान कर नई बहस को हवा दे दी है। 29 वर्षीय संत बागेश्वर धाम खुद को कट्टर हिंदू के रूप में प्रस्तुत करते रहे हैं और पिछले माह उनके बागेश्वर धाम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र

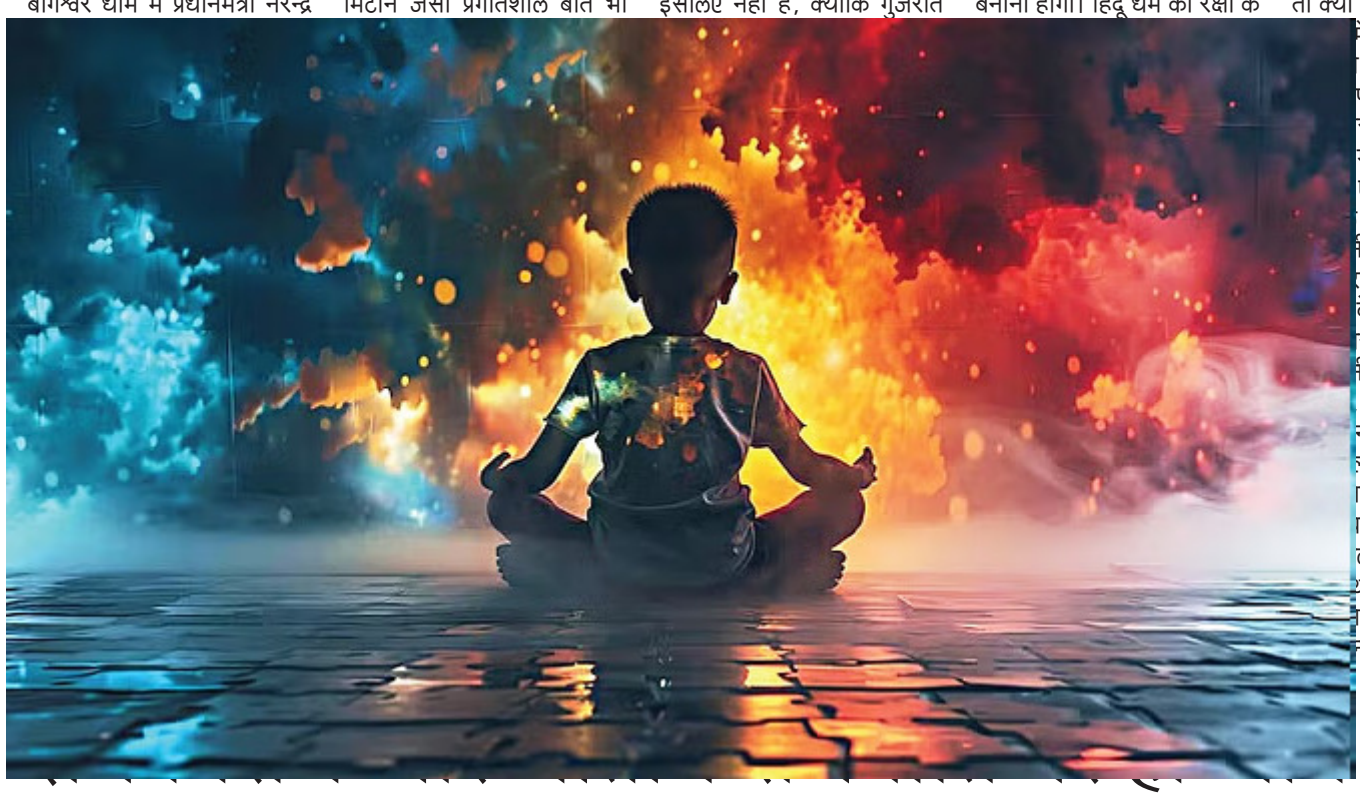

कांग्रेस की कोशिश गुजरात की धरती से भारतीय जनता पार्टी, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधी चुनौती देने की है। वो इसमें कितना सफल हो पाएंगे, यह तो

आगामी चुनावों के नतीजों में पता चलेगा। पिछले महीने राहुल गांधी गुजरात की राजधानी अहमदाबाद में थे, तब उन्होंने कांग्रेस पार्टी के कुछ नेताओं पर भाजपा के लिए काम करने का आरोप लगाया था। यह और बात है कि अहमदाबाद में ही कांग्रेस पार्टी ने अपना अधिवेशन कर लिया। गुजरात कांग्रेस के सभी नेता अपने केंद्रीय दल के वरिष्ठों की सेवा करते नजर आए। कांग्रेस की कोशिश गुजरात की धरती से भारतीय जनता पार्टी, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधी चुनौती देने की है। वो इसमें कितना सफल हो पाएंगे, यह तो आगामी चुनावों के नतीजों में पता चलेगा। हालांकि, किसी नई रणनीति के

समरसता वाले हिंदू राष्ट्र की कल्पना से अलग है। दूसरे, भारत जैसे बहुसांस्कृतिक, बहुभाषी और बहुजातीय देश में क्या सचमुच कोई ठेठ हिंदू ग्राम, जिला या राष्ट्र व्यावहारिक रूप से संभव है? क्योंकि ऐसा देश शुद्ध देसी घी की तरह भारत तो क्या, पाकिस्तान और सऊदी अरब तक नहीं बन

कई बार तो ऐसा लगता है कि उन्होंने भाजपा की अघोषित फ्रेंचाइजी ले रखी है। वे भारत को कट्टर हिंदू राष्ट्र बनाने और सभी हिंदुओं को एक होने के साथ साथ जात-पात मिटाने जैसी प्रगतिशील बात भी

बजाय कांग्रेस का पहिया एकबार फिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और जातीय राजनीति के इर्द-गिर्द ही घूमता नजर आ रहा है। पार्टी की निर्भरता पहले की भांति गांधी

राहुल गांधी की एक अलग छवि गढ़ी जा रही है। वैसे, अहमदाबाद में कांग्रेस के अधिवेशन में राहुल गांधी के दिए भाषण से एक बात तो स्पष्ट हो गई है कि वो जातीय

परिवार पर ही बनी हुई है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जब कांग्रेस पार्टी को देश में 99 सीटें मिली थीं, तब पार्टी नेताओं ने जमकर जश्न मनाया था। 99 सीटों पर जीत का सेहरा राहुल गांधी के सिर पर बांधा गया था। हालांकि, लोकसभा चुनाव के बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सफलता नहीं मिली। इसके बावजूद 99 सीटें जीतने का जोश कांग्रेस पार्टी में अब तक बना हुआ है। लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी एंग्री यंग नेता की भूमिका में बने हुए हैं। पार्टी भी उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुकाबले में खड़ा करने का कोई अवसर नहीं छोड़ पा रही है। सड़क से लेकर संसद तक

राजनीति के मैदान में पार्टी को पूरी तरह उतारने के लिए आतुर हैं। राहुल गांधी ने अधिवेशन में दिए अपने भाषण में कहा कि कांग्रेस दलित, मुस्लिम व ब्राह्मण को साधती रही और अति पिछड़ा जातियां (ओबीसी) हमसे दूर चली गईं। यह और बात है कि एक समय कांग्रेस का नारा था कि न जात पर-न पात पर, इंदिरा जी की बात पर, मुहर लगेगी हाथ पर। ओबीसी को आरक्षण की सिफारिश करने वाले मंडल कमीशन के विरोध में सबसे बड़ा भाषण राहुल गांधी के पिता स्वर्गीय राजीव गांधी ने संसद में दिया था। शायद ओबीसी तभी से कांग्रेस से नाखुश है। ब्राह्मण भी राम मंदिर आंदोलन के बाद

हुए हैं। जहां-जहां क्षेत्रीय दल जैसे समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सत्ता में आए, वहां मुस्लिम कांग्रेस से छिंटक गया। हालांकि, मुस्लिमों को दोबारा अपने फोल्ड में लाने की कांग्रेस की कोशिशें तेज हो चली हैं। राहुल गांधी कह रहे हैं कि मुस्लिम हितों को लेकर वो पीछे नहीं हटेंगे। यह और बात है कि यह कोशिशें उसके सहयोगी दलों को रास नहीं आ रही हैं। राहुल गांधी का जोर भले मुस्लिम हितों पर अडिग रहने का है, लेकिन इसे लेकर कई बार उनकी पार्टी के नेता भी असहज नजर आते हैं। पार्टी के मुस्लिम हित ने हिंदुओं के बड़े वर्ग को भाजपा की ओर शिफ्ट

संपन्न प्रयागराज महाकुंभ और सद्गुरु के कार्यक्रम में शामिल होने पर जिस तरह से कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की पार्टी के अंदर से आलोचना हुई, उसने भी कांग्रेस को लेकर बहुसंख्यकों को निराश किया। अहमदाबाद अधिवेशन में कांग्रेस ने एक बार फिर सरदार वल्लभभाई पटेल के बहाने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर हमला बोला है। पार्टी ने अपने अधिवेशन को सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर बने मेमोरियल में रखा। पार्टी ने यह भी याद दिलाया कि कैसे सरदार वल्लभभाई पटेल ने संघ पर प्रतिबंध लगाया था? पार्टी ने इस मेमोरियल में अपने अधिवेशन को विशेष भी

सही भी है। अगर कुछ बस्तियों, नगरों, जिलों, प्रांतो के नाम हिंदू होने से देश हिंदू राष्ट्र बन सके तो हिंदू राष्ट्र बनाने का इससे किफायती तरीका दूसरा हो नहीं सकता। वैसे बाबा ने यह भी कहा है कि इस हिंदू ग्राम में सनातनी और वैदिक धर्म को मानने वाले हिंदू ही रह सकेंगे। मुमकिन है आगे

का बोर्ड लगा है। यहां सभी हिंदू ही रहते हैं। वैसे बाबा का जो प्लान है, उसमें जमीन ही सनातनी हिंदुओं को उपलब्ध कराई जाएगी। मकान हिंदुओं को अपने खर्चे से बनाना होगा। हिंदू धर्म की रक्षा के

भाजपा के साथ जुड़ते चले गए। दलितों का बड़ा वर्ग अब भी कांग्रेस के साथ है। हालांकि, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में बहुजन समाज पार्टी के उदय के साथ दलित शिफ्ट

किया है। अनुच्छेद 370, नागरिकता संशोधन कानून और अब वक्फ संशोधन कानून पर कांग्रेस का रुख देश के बहुसंख्यकों को रास नहीं आया है। पिछले दिनों

चलकर इस पर भी विवाद हो कि गैर सनातनी हिंदू जैसे कि आर्य समाजी, कबीरपंथी, ब्रह्म समाजी, राधास्वामी सत्संग, रविदासी पंथी आदि भी हिंदू ग्राम में रहना चाहें तो क्या उन्हें इजाजत मिलेगी?वैसे

में धर्म के आधार पर किसी , नगर, प्रांत और देश का ण अपवाद स्वरूप ही हुआ र शहर की बात करें तो में शायद दो ही उदाहरण एक था 'इस्लाम नगर', जो रियासत की पुरानी ी था और अब एक खंडहर ा है इस्लामाबाद, जिसे के नाम पर ही बसाया गया स देश पाकिस्तान की वह ी है, उस का आज क्या सबको पता है। और तो न स्थानों पर किसी विशिष्ट लों को ही रहने या प्रवेश ाजत है, उनके नाम भी त धर्म के नाम पर नहीं लन मुसलमानों का सबसे थल मक्का में गैर मुसलमानों पूरी तरह वर्जित है, लेकिन नामकरण इस्लाम पर नहीं तरह कैथोलिक ईसाइयों के सबसे पावन शहर 'वेटिकन सिटी' में गैर कैथोलिको को रहने की अनुमति नहीं है। बावजूद इसके इस शहर का नाम किसी ने ईसा या क्रिश्चियन सिटी नहीं रखा। सिखों की पवित्र नगरी अमृतसर का नाम भी सिख नगर नहीं है। क्योंकि धर्म के आधार पर नाम रखने से उस धर्म की परंपराओं, दर्शन और कर्मकांडों का शास्त्रोक्त पालन हो, यह जरूरी नहीं है। अगर ऐसा नहीं होता और वह व्यावहारिक रूप से संभव होता भी नहीं है तो उस धर्म की पवित्रता पर ही प्रश्नचिन्ह लगने लगता है, जोकि सही नहीं है। रहा सवाल बाबा की राजनीतिक उपयोगिता का तो बाबा के प्रभाव की असली सियासी टेस्टिंग बिहार चुनाव में होनी है। बाबा को वहां धुर हिंदू मुस्लिम ध्रुवीकरण के काम में लगाया गया है। घोर जातिवाद से ग्रस्त बिहार में अगर वहां भाजपा अपने दम पर सरकार बनाने में कामयाब रही तो बाबा का सियासी ग्राफ भी ऊपर जाएगा। वो मप्र के 'योगी आदित्यनाथ' भी हो सकते हैं। लेकिन नतीजा कुछ और आया तो बाबा की हिंदू राष्ट्र की उड़ान बागेश्वर के हिंदू ग्राम तक भी सिमट सकती है। यूं बाबा बागेश्वर की इस 'हिंदू ग्राम' की घोषणा से सियासी घमासान भी शुरू हो गया है। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने बाबा की योजना का दिल खोलकर स्वागत किया है तो मप्र कांग्रेस प्रवक्ता हाफिज अब्बास ने सवाल किया कि अगर कल को मुसलमान भी अलग 'मुस्लिम ग्राम' बनाने की इजाजत मांगेंगे तो क्या सरकार देगी? कल को संविधान के 'सर्व धर्म समभाव' के आधारभूत सिद्धांत के आधार पर हर धर्मावलंबी अपने धर्मों के हिसाब से अलग शहर बसाने लगेंगे तो फिर हिंदू राष्ट्र का क्या होगा? और अगर सरकार बाबा बागेश्वर जैसे लोगों को ही शहर बसाने की अनुमति देती है तो 'सबका साथ' का क्या होगा? यूं अभी भी धर्म विशेष, सम्प्रदाय बहुल तथा एक ही समुदाय की कुछ कॉलोनियां अस्तित्व में हैं। लेकिन उनका नामकरण अक्सर उनके आराध्यों, महापुरूषों अथवा क्षेत्रीय या जातीय पहचान के आधार पर ही होता है। केवल गांव का नाम हिंदू कर देने से हिंदू राष्ट्र कैसे बन जाएगा, यह समझना मुश्किल है। हिंदू समाज भी तभी एकजुट होगा, जब वह जातीय विद्वेष और ऊंच नीच के दुराग्रह से मुक्त होगा। इसके लिए हिंदू बस्ती से ज्यादा बड़े दिल की जरूरत है।

बढ़ेंगे राहुल गांधी

बताया। यह और बात है कि गुजरात में ही बने स्टैचू ऑफ यूनिटी को देखने आज तक राहुल गांधी नहीं गए हैं। कांग्रेस के नेता स्टैचू ऑफ यूनिटी पर जाने से परहेज करते हैं, क्योंकि इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनवाया है। सरदार पटेल की विरासत को अपने हाथों से जाता देख कांग्रेस परेशान भी है। पार्टी को अब सरदार पटेल और पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बीच संबंधों को बताना पड़ रहा है। कहीं न कहीं पार्टी भाजपा के ट्रैप में फंसती नजर आती है। गुजरात में पिछले तीन दशक से कांग्रेस पार्टी सत्ता से बाहर है। विगत् विधानसभा चुनाव में तो उसका अब तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन रहा था। लोकसभा चुनाव में भी पार्टी को बहुत अधिक सफलता गुजरात में नहीं मिली, लेकिन राहुल गांधी को शायद लग रहा है कि गुजरात के रास्ते वह देश की सत्ता को पुनः हासिल कर सकते हैं।गुजरात संघ परिवार की प्रयोगशाला माना जाता है। जहां नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पिछले कुछ सालों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। शायद राहुल गांधी गुजरात में आकर नरेंद्र मोदी को सीधी चुनौती देकर अपने इंडी गठबंधन के सहयोगियों को बताना चाहते हैं कि वो गठबंधन में बड़े भाई की भूमिका में हैं। वर्ष 2029 के चुनाव में अभी चार साल से अधिक का समय है। वर्ष 2024 के नतीजों को लेकर कांग्रेस का उत्साह अभी भी कायम है। पार्टी को लग रहा है कि 2029 उनके लिए बेहतर अवसर हो सकता है और इसी की तैयारी गुजरात से राहुल गांधी ने शुरू की है। अब देखना यह होगा कि राहुल गांधी के यह प्रयास कितने सफल होते हैं। संघ विरोध और जातीय राजनीति कांग्रेस को कितनी चुनावी सफलता दिला पाती है।

श्रीराम कथा में भरत मिलाप, सीता हरण आदि प्रसंगों का मार्मिक वर्णन किया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। सेक्टर 82 स्थित पॉकेट 7 में आयोजित श्रीराम कथा के आठवें दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने कथा का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि भरत जी चित्रकूट में भगवान राम से मिलते हैं। भगवान राम उनको गले से लगा लेते हैं और पिता का वचन याद दिला कर वापस अयोध्या भेज देते हैं। आगे भगवान राम पंचवटी में निवास करते हैं जहां पर रावण की बहन सूर्पनखा पहुंचती है और विवाह का प्रस्ताव रखती है। बार बार मना करने पर भी नहीं मानती है तो लक्ष्मण जी उसके नाक कान काट लेते हैं। रावण दरबार में सुर्पणखा विलाप करती हुई पहुंचती हैं। रावण ने उसकी दशा देखकर पूछा कि तेरे नाक कान किसने काटे। सुर्पणखा ने कहा कि राम लक्ष्मण दशरथ के पुत्र हैं। राम के छोटे भाई लक्ष्मण ने नाक कान काटे है और उन्होंने खर दूषण और त्रिसरा का भी वध कर दिया। रावण सोचता हैं खर दूषण को मारने वाला निश्चित ही कोई अवतार है।'' तो मै जाइ बैर हठि करऊॅ। प्रभु सर प्रान तजे भव तरऊॅ''। रावण मारीचि के पास जाता हैं और राम से बदला लेने के लिए कपट मृग बनने को कहता हैं। मारीचि सोने का मृग बनकर पंचवटी से निकलता हैं तो सीता राम जी से उस स्वर्ण मृग की खाल लाने को कहती हैं। राम जी उसके पीछे जाते है और उस स्वर्ण मृग को एक बाण से मार देते हैं। मारीचि मरते समय हा लक्ष्मण हा लक्ष्मण की आवाज करता हैं। सीता जी ने राम को संकट में जानकर लक्ष्मण को उनकी सहायता में भेजती है। मौका देखकर लंकेश

साधु का वेश रखकर सीता को जबरदस्ती सीता को रथ में बैठाकर आकाश मार्ग से जाता हैं।'' गीधराज सुनि आरत बानी। रघुकुलतिलक नारि पहिचानी''। जटायु रावण पर हमला कर देते हैं इसके बाद लंकेश जटायु के पंख तलवार से काट देता है। इधर राम लक्ष्मण पंचवटी पहुंचते हैं वहां पर सीता को न पाकर दुःखी होकर ढूंढने लगते हैं।'' हे खग मृग हे मधुकर श्रेनी तुम देखी सीता मृग नैनी''। रास्ते में घायल गिद्ध राज जटायु मिलते हैं वह सारा वृतांत बताते हैं और भगवान की गोद में अपने प्राण त्याग देते हैं। उसके बाद भगवान सबरी के आश्रम पहुंचते हैं जहां पर प्रेम भक्ति में सबरी के झूठे बेर खाते हैं। श्रीराम कथा के नौवें दिन हनुमान जी राम जी की भेंट, सुग्रीव मित्रता, बाली वध, सीता खोज, लंका दहन, रावण वध और राम राज्याभिषेक आदि प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। इस मौके पर देवमणि शुक्ल, रवि राघव, गोरे लाल, रमेश वर्मा, संजय पांडे, अंगद सिंह तोमर, हरि सिंह, संजय शुक्ला, रमेश दास, हंसमणि शुक्ला,जितेंद्र सिंह, नागेश सिंह, विश्वनाथ त्रिपाठी, गौरव, जितेंद्र सतपति, रविंद्र कुमार, देवेंद्र गुप्ता, बहादुर चौहान, अनूप सिंह, संगम प्रसाद मिश्रा, प्रकाश जोशी, संदीप, सर्वेश तिवारी, दीपक तिवारी, विष्णु शर्मा, सुशील पाल , विजय कुमार, उपेंद्र सिंह, उदय नारायण पाण्डेय, दीपक मेहरा, शैलेंद्र गोस्वामी, सुभाष चन्द्र शर्मा, राजेश कुमार पाठक, मेवा राम, धर्मेंद्र सिंह, सिया राम, वी के भारद्वाज, सी एल तिवारी, धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, रंजन गिरि,उमाकांत त्रिपाठी , विजय कुमार झा , वीरेंद्र कुमार, अनूप सिंह, संजय कर्ण, महेन्द्र सिंह, पदम सिंह, अभिशेष सिंह,शिव चौधरी, संजीव ढाली, राकेश कुमार, वीरेंद्र कुमार राय, राजवीर सिंह,कोमल यादव, विवेक कुमार सिंह, सतपाल सिंह, अनमोल सिंह, मधुर राघव, प्रांजल शुक्ला, पीयूष शुक्ल, अंशुमान मिश्रा, प्रिमम शुक्ल, निखिल पाठक, अभिशेष पांडेय, सिद्धार्थ वर्मा, मन्नू तिवारी, विभू सिंह, विनोद शर्मा, आलोक शुक्ला, सहित तमाम सेक्टरवासी भक्त मौजूद रहे।

भारत ने पहली बार दुनिया को दिखाया अपना लेजर हथियार, पलभर में मार गिराएगा दुश्मन के ड्रोन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। भारत ने पहली बार 30 किलोवाट लेजर आधारित हथियार प्रणाली की क्षमता का प्रयोग करके फिक्स्ड विंग

एयरक्राफ्ट, मिसाइल और स्वार्म ड्रोन को मार गिराने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। ऐसा करके भारत अमेरिका, चीन और रूस के बाद चौथा देश बन गया है। अब दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलों को मार गिराना आसान होगा। क्षमता रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने बताया कि एमके-घ्घ(ए) लेजर-डायरेक्टेड एनर्जी वेपन (डीईडब्ल्यू) प्रणाली का सफल परीक्षण राष्ट्रीय ओपन एयर रेंज (एनओएआर), कुरनूल में प्रदर्शित किया गया, जिसमें मिसाइलों, ड्रोन और छोटे प्रोजेक्टाइल को निष्क्रिय करने की तकनीक में महारत हासिल है। उन्होंने कहा कि मेरी जानकारी के अनुसार, हमसे पहले अमेरिका, रूस और चीन ने लेजर हथियार प्रणाली का प्रदर्शन किया है। इस्राइल भी इसी तरह की क्षमताओं पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम इस प्रणाली का प्रदर्शन करने वाले दुनिया के चौथे या पांचवें देश हैं। डीआरडीओ अध्यक्ष डॉ. कामत ने आगे कहा कि यह सिर्फ एक शुरुआत है। डीआरडीओ कई तकनीकों पर काम कर रहा है, जो हमें स्टार वार्स क्षमता प्रदान करेगी। उन्होंने कहा, 'इस सफलता में कई डीआरडीओ प्रयोगशालाओं, उद्योग और शैक्षिणक संस्थानों ने मिलकर काम किया है। मुझे यकीन है कि हम जल्द ही अपनी मंजिल तक पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम अभी और भी ताकतवर तकनीकों पर काम कर रहे हैं। इनमें उच्च ऊर्जा माइक्रोवेव, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक पल्स जैसी अन्य उच्च ऊर्जा प्रणालियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये तकनीकें हमें स्टार वार्स जैसी क्षमता प्रदान करेंगी। आज जो आपने देखा, वह स्टार वार्स तकनीकों की दिशा में एक छोटा, लेकिन अहम कदम है। भारत के पहले 5वीं पीढ़ी के स्टील्थ विमान एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (र्श्ण्) के बारे में पूछे जाने पर डीआरडीओ अध्यक्ष डॉ. कामत ने कहा कि एक नया प्लेटफॉर्म विकसित करने में 10 से 15 साल लग जाते हैं। सीसीएस से परियोजना को मंजूरी मिलने के बाद, हमने यह यात्रा 2024 में ही शुरू की है। इसलिए हम 2035 का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

अमेरिका जाने का हजारों भारतीयों का सपना धूमिल, ट्रंप प्रशासन ने ईबी-5 अनारक्षित वीजा श्रेणी में की कटौती

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।अमेरिकी विदेश विभाग ने मई 2025 के लिए जारी किए गए वीजा बुलेटिन में भारतीयों के लिए ईबी 5 वीजा श्रेणी में कटौती की है।अनारक्षित वीजा श्रेणी आवेदनों की वेटिंग कट ऑफ एक मई 2019 कर दी है। पहले यह एक नवंबर 2019 थी। अमेरिका में आव्रजन नीतियों के चलते पहले से ही अप्रवासी भारतीयों की चिंता पहले से ही बढ़ी हुई है। अब ट्रंप प्रशासन ने हजारों भारतीयों के अमेरिका जाने और ग्रीन कार्ड पाने के सपने को तोड़ दिया है। अमेरिकी विदेश

विभाग ने मई 2025 के लिए जारी किए गए वीजा बुलेटिन में भारतीयों के लिए ईबी 5 वीजा श्रेणी में कटौती की है। विदेश विभाग ने अनारक्षित वीजा श्रेणी आवेदनों की वेटिंग कट ऑफ एक मई 2019 कर दी है। पहले यह एक नवंबर 2019 थी। अब एक मई 2019 के बाद ईबी 5 वीजा के लिए आवेदन करने वालों को लंबा इंतजार करना होगा। बुलेटिन में कहा गया है कि ईबी-5 अनारक्षित वीजा श्रेणियों में भारत द्वारा उच्च मांग और संख्या के उपयोग, शेष विश्व में बढ़ती मांग और संख्या के उपयोग के कारण वित्त वर्ष 2025 की वार्षिक सीमा के अंतर्गत संख्या के उपयोग को अधिकतम सीमा के भीतर रखने के लिए भारत की अंतिम कार्रवाई तिथि को और पीछे करना आवश्यक हो गया है। यदि मांग और उपयोग की संख्या में वृद्धि जारी रही तो शेष विश्व के देशों के लिए अंतिम कार्रवाई की तिथि निर्धारित करना भी आवश्यक हो सकता है।बुलेटिन में कहा गया कि आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम (आईएनए) की धारा 201 के अनुसार निर्धारित परिवार प्रायोजित वरीयता वाले प्रवासियों के लिए वित्तीय वर्ष 2025 की सीमा 226,000 है। वार्षिक रोजगार आधारित वरीयता वाले प्रवासियों के लिए विश्वव्यापी स्तर कम से कम 140,000 है। धारा 202 के तहत वरीयता वाले प्रवासियों के लिए प्रति देश सीमा कुल वार्षिक परिवार प्रायोजित और रोजगार आधारित वरीयता सीमा का 7 प्रतिशत, यानी 25,620 निर्धारित की गई है। आश्रित क्षेत्र की सीमा 2 प्रतिशत या 7,320 निर्धारित की गई है। वहीं अमेरिकी प्रशासन ने ईबी 1 और ईबी 2 वीजा श्रेणियों में कोई बदलाव नहीं किया है। अमेरिकी विदेश विभाग मई में रोजगार-आधारित स्थिति समायोजन आवेदनों को स्वीकार करेगा, जिसके लिए पात्र होने के लिए विदेशी नागरिकों को अपनी वरीयता श्रेणी और देश के लिए निर्दिष्ट तिथि से पहले की प्राथमिकता तिथि की आवश्यकता होगी। इसके तहत किसी देश में स्थायी निवास चाहने वालों के लिए आवेदन स्वीकृति के लिए प्रतीक्षा समय का अनुमान लगाया जाता है। यह वीजा श्रेणी और राष्ट्रीयता के आधार पर तय होती है।

सूरजपुर में प्राचीनकालीन ऐतिहासिक बाराही मेला-2025 का शनिवार, तीसरा दिन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा।नोएडा सूरजपुर में चल रहे ऐतिहासिक प्राचीनकालीन बाराही मेला.2025, दिन शनिवार तीसरे दिन राधे स्नेह निकेतन पब्लिक स्कूल सूरजपुर के नन्हे मुन्हों ने गीत संगीत और नृत्य की खास प्रस्तुति दी। रात्रिकालीन

रगानियों के रंगारंग कार्यक्रम में हरेंद्र नागर एंड पार्टी के कलाकारों ने एक से बढ कर एक रागनी की प्रस्तुति देते हुए शमा बांध दिया। जब कि लोक कला संस्कृति मंच से राजबाला सपेरा एंड पार्टी राजस्थान के कलाकारों द्वारा गीत संगीत के साथ खास नृत्य प्रस्तुत किए गए। सिकंदरनाथ बीन तुंबा पार्टी के कलाकारों के द्वारा कई प्रकार के करतब दिखाते हुए विशेष प्रस्तुति खासा आकषर्ण का केंद्र रही। चौपाल की विशेष प्रस्तुति में नगाडा पार्टी के कलाकारों के द्वारा संगीत और नृत्य की प्रस्तुति ने लोगों का मन मोह लिया। इसके साथ ही कच्ची घोडी और उंट की सवारी भी पूरे मेला प्रांगण में राजस्थानी कला और संस्कृति की झलक दिखालते हुए दिखाई दे रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुल्तानपुर के जिला जज राधेश्याम यादव रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर मेले के तीसरे दिन का विधिवत शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बाराही मेला केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि लोक आस्था, संस्कृति और सामाजिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। रागनी जैसी लोक विधाएँ आज भी समाज को आईना दिखाने का कार्य कर रही हैं। न्याय व्यवस्था को जनभावनाओं से जुड़ने का अवसर ऐसे मेलों में मिलता है। यह आयोजन न सिर्फ मनोरंजन है, बल्कि यह समाज को सोचने, समझने और जागने की प्रेरणा देता है। जिला जज श्री यादव ने कलाकारों की प्रस्तुति की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतिभाओं को मंच देना हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने का महत्वपूर्ण कार्य है। ऐतिहासिक प्राचीन बाराही मेला-2025 के तासरे दिन शनिवार को प्रांगण में जनसैलाब उमड़ पड़ा था। बच्चों के लिए झूले, महिलाओं के लिए जरूरत का सामान और हर आयु वर्ग के लिए पारंपरिक खानपान के स्टॉल मेले में रंग भरते दिखे। ग्रामीण अंचल से लेकर शहरी क्षेत्रों तक से आए दर्शकों ने देर रात तक चलने वाले इस सांस्कृतिक आयोजन का भरपूर आनंद लिया।रात्रिकालीन कार्यक्रमों की श्रंखला में हरेंद्र नागर, पिंकी शर्मा, गजेंद्र दौसा कलाकारों ने एक से बढ कर एक रागनियां प्रस्तुत करते हुए श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी। शगुन चौधरी और कशिश चौधरी ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत करते हुए जमकर धमाल मचाया। पिंकी शर्मा ने मंदिर मिलजा, भगत मिले न, भगवान मिले पैसा से। जीवन मरण मिले न, जीवनदान मिले पैसा से।। उपदेश और देशभक्ति रागनी प्रस्तुत करते हुए खूब वाहवाही लूटी। गजेंद्र दौसा और हरेंद्र नागर ने नल दमयंती किस्से और पिंकी शर्मा व गजेंद्र दौसा ने महाभारत के किस्से द्रोपदी चरण का प्रसंग सुनाया। हरेंद्र नागर ने -- सूरजपुर में बाराही मैया , तेरी होती जय जयकार रही, शीश झुकावे सारी दुनिया, सारे जग में महिमा तेरी, तू सबकी भाग्य विधाता, तेरी जोहड में जो नहाले रोग मुक्त वो होता जाता है।.. भजन प्रस्तुत करते हुए श्रोताओं की जमकर तालियां बटोरीं। शिव मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष धर्मपाल भाटी, महामंत्री ओमवीर बैंसला, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंघल, मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा, सरंक्षक सतवीर भाटी, टेकचंद प्रधान,वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिजेंद्र ठेकेदार, उपाध्यक्ष जगदीश भाटी एडवोकेट, राजपाल भडाना, महाराज सिंह उर्फ पप्पू, विनोद सिकंद्राबादी, रवि भाटी आदि पदाधिकारियों ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, राधे स्नेह निकेतन पब्लिक स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल सोनी और हरेंद्र नागर एंड पार्टी के कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा ने बताया कि कल दिनांक 14 अप्रैल-2025, दिन सोमवार को दीक्षा डिग्री कॉलेज सूरजपुर के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। जब कि रागनियों के रंगारंग कार्यक्रम में देवेंद्र डॉगी, पूजा राव, मनीषा मरजानी, ब्रहमजीत भडाना और नीलम आदि कलाकारों द्वारा खास प्रस्तुतियां दी जाएंगी।इस मौके पर कार्यक्रम में राजवीर शर्मा, भीम खारी, तोलाराम, राकेश बैंसला, अज्जू भाटी, अनिल कपासिया, विनोद पंडित तेल वाले, रूपेश चौधरी और हरि शर्मा आदि शिव मंदिर सेवा समिति के पदाधिकारी और गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मुर्शिदाबाद से डर के कारण भागे सैकड़ों लोग, नदी पार कर मालदा में ली शरण; प्रशासन कर रहा मदद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

बंगाल। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हिंसा के दौरान

सैकड़ों लोग अपना घर छोड़कर भागने को मजबूर हुए हैं। पीड़ितों के अनुसार, हमलावर उनपर हथियारों से हमला, महिलाओं-बेटियों के साथ दुर्व्यवहार कर रहे थे। जिसके बाद उन्होंने केंद्रीय बलों की मदद से नदी पार कर मालदा जिले में शरण ली है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में फैली हिंसा से डरकर सैकड़ों लोग भागकर पास के मालदा जिले में पहुंच गए हैं। जानकारी के मुताबिक, ये सभी लोग भागीरथी नदी पार कर नावों के जरिए मालदा पहुंचे हैं। जहां प्रशासन ने इन पीड़ित लोगों के लिए स्कूलों में अस्थायी ठहरने और खाने-पीने की व्यवस्था की है। बता दें कि, मुर्शिदाबाद जिले के कई इलाकों जैसे सूती, धूलियन, जंगीपुर और समसेरगंज में वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क उठी। यह क्षेत्र मुस्लिम-बहुल है और प्रदर्शन धीरे-धीरे सांप्रदायिक तनाव में बदल गया।धूलियन के मंदिरपाड़ा इलाके से भागी एक महिला ने बताया, 'हमारे घर जला दिए गए। कुछ बाहरी और स्थानीय लोगों ने मिलकर महिलाओं और लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार किया, पुरुषों को पीटा गया। हमें कहा गया कि हम इलाके को छोड़ दें। हमारी जान को खतरा था, इसलिए हमने केंद्रीय बलों की मदद से घर छोड़ा।'एक बुजुर्ग महिला ने रोते हुए कहा, 'हमने हाथ जोड़कर हमलावरों से माफी मांगी, जबकि हमने कुछ गलत नहीं किया था। वे हथियार लहराकर हमारे घरों में घुसे और हमें मारते-पीटते रहे। हम जैसे-तैसे कुछ सामान लेकर नदी पार कर भाग निकले। वरना हम मारे जाते।' विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के अनुसार, 'धूलियन से करीब 400 हिंदू नागरिक डर के मारे भागकर भागीरथी नदी पार कर मालदा जिले के बैष्णवनगर इलाके में पहुंचे हैं। उन्हें पर लालपुर हाई स्कूल में ठहराया गया है।' उन्होंने राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति से कट्टरपंथी ताकतों का हौसला बढ़ा है। उन्होंने केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि पीड़ितों को सुरक्षित वापस लाने की व्यवस्था की जाए। वहीं मालदा प्रशासन की ओर से, पीड़ितों के लिए स्कूलों में ठहरने की व्यवस्था, खाने-पीने की सुविधा, नदी किनारे 20 युवकों की तैनाती, जो नावों से आने वालों की मदद कर रहे हैं। कालीचक तीन के बीडीओ सुकांत सिकदर ने बताया कि शनिवार दोपहर तक धीरे-धीरे लोग आ रहे थे, लेकिन बाद में संख्या बढ़ी है। बाइस्नबनगर की टीएमसी विधायक चंदना सरकार ने कहा कि प्रशासन और स्थानीय लोग मिलकर हर संभव मदद कर रहे हैं।

आईबीआई के वार्षिक महोत्सव में देशभर के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की भागीदारी, थिएटर क्लब का हुआ शुभारंभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। आई बिजनेस इंस्टिट्यूट घ्घ् ग्रेटर नोएडा में शनिवार को वार्षिक महोत्सव 'रौनक 2025' का भव्य आयोजन हुआ। इस बार का थीम था — “Innovate for

an Inclusive Future: झदज्त, ईर्ह्लू ड्डेदेजीगूड्ड। कार्यक्रम में देशभर के प्रमुख विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों से छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।रौनक 2025 ने न केवल छात्रों की प्रतिभा को मंच दिया, बल्कि विविधता, समावेशन और नवाचार के मूल्यों को भी उजागर किया। इस अवसर पर थिएटर क्लब की भी औपचारिक रूप से शुरुआत की गई, जिससे संस्थान की सांस्कृतिक गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी।फेस्ट में बैटल ऑफ बैंड्स, रैप वॉर, इंस्ट्रूमेंटल वागांजआ, डिबेट, बिज़नेस क्विज, डांस, सॉन्ग, और अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। छात्रों ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।संस्थान के निदेशक मंडल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, ड्ड्ररौनक सिर्फ एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह हमारे विद्यार्थियों की नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच और सामाजिक चेतना का उत्सव है। थिएटर क्लब की स्थापना से छात्रों को आत्म-अभिव्यक्ति का एक नया मंच मिला ।

सपा नोएडा महानगर ने बीपी मंडल जी की पुण्यतिथि पर किया उनको याद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा सपा नोएडा महानगर ने महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में बाबू बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल की पुण्यतिथि समाजवादी पार्टी महानगर कैंप कार्यालय कंचनजंगा मार्केट सेक्टर 53 में मनाई। इस मौके पर महानगर अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारी

और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनको नमन किया। महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता ने कहा कि स्वर्गीय बीपी मंडल ने पूरे देश का भ्रमण कर पिछड़ी जातियों के सामाजिक आर्थिक और शैक्षिक स्थिति की पहचान कर उन्हें समाज की मुख्य धारा में जोड़ने की प्रबल सिफारिश की। मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने कहा कि पिछड़े वर्ग के लोगों को आरक्षण का लाभ दिलाने का श्रेय बीपी मंडल को ही जाता है। महासचिव विकास यादव ने कहा कि बीपी मंडल बहुसंख्यको के मसीहा और पिछड़ों की आवाज थे वह सामाज में व्याप्त उच्च-नीच और गैर बराबरी को समाप्त करने के पक्षधर थे। स्वाभिमान- स्वमान समारोह के अंतर्गत ग्राम रिशपाल गढ़ी में मजदूर सभा महासचिव विनोद कुमार जाटव के नेतृत्व में सभा का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों को संविधान के प्रति जागरूक करने का काम किया गया साथ ही साथ बाबा साहब अंबेडकर द्वारा भारतीय लोकतंत्र और भारतीय संविधान में दिए गए योगदान पर चर्चा की गई।आज के कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य लोगों में विकास यादव, गौरव कुमार यादव, वीरपाल प्रधान, राणा मुखर्जी ,बिल्लू सैफी,सौरभ चौहान,कमल सिंह गौतम ,रामवीर यादव, बाबा जयवीर, गीता बौद्ध ,रवींद्र गौतम ,गौरव चौधरी ,अनुराग यादव, विपिन चौहान,रजनी जाटव,मनीष भारती ,शशांक शेखर ,ड्ड्सिंह, हरि नंद जाटव , रतिराम जाटव ,मानसिंह वीर सिंह, शिव कुमार ,रवि कुमार ,अशोक कुमार ,उमेश ,हाकम सिंह ,किरण पाल ,शीला रेखा रानी ,रामादेवी धर्मपाल देवराज ,खेम सिंह ,धर्मपाल सागर ,लकी संजय ,रिंकू ,सतीश ,राजकुमार धनपाल ,अमर सिंह, आरिफ सैफी, वीर बहादुर ,सिकंदर पासवान मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सिंगापुर में आम चुनाव की तैयारी तेज, पीएम वोंग की पार्टी पीएपी उतारेगी भारतीय मूल के उम्मीदवार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सिंगापुर में आम चुनाव का एलान जल्द हो सकता है। इसे लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारी तेज कर दी है। पीएम प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने कहा है कि चुनाव में उनकी पार्टी भारतीय मूल के उम्मीदवारों को उतारेगी। सिंगापुर में आम चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। इसे लेकर प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) ने कहा है कि वह चुनाव में भारतीय मूल के उम्मीदवारों को उतारेगी। पीएम वोंग ने भारतीय समुदाय के युवाओं के साथ संवाद में यह एलान किया। वोंग ने व्यापार, उद्योग और सार्वजनिक सेवाओं सहित कई क्षेत्रों में भारतीय समूह के योगदान को स्वीकार किया। उन्होंने युवाओं से कहा कि आप एक छोटा समुदाय हो सकते हैं, लेकिन निश्चित रूप से सिंगापुर में आपका योगदान और प्रभाव बिल्कुल भी छोटा नहीं है। आप पहले से ही सिंगापुर की भावना को दर्शाते हैं। आपकी कहानी सिंगापुर की कहानी है। यह छोटी है, लेकिन आपके वजन से ऊपर है। पीएम वोंग ने कहा कि सिंगापुर को कई भारतीय सिविल सेवकों से लाभ हुआ है। जैसे डॉ जनिल जो वरिष्ठ स्वास्थ्य राज्य मंत्री भी हैं। आगामी चुनाव के लिए पीएपी से नए भारतीय उम्मीदवार होंगे। उन्होंने कहा कि यहां भारतीय समुदाय बहुत विविधतापूर्ण है और समुदाय ने एक अलग संस्कृति में विकसित होते हुए भी अपनी परंपराओं को बनाए रखा है उन्होंने कहा कि सिंगापुर के भारतीयों के लिए, आपके मूल्य, आपके मानदंड, आपके सोचने का तरीका, भारत में भारतीयों से अलग हैं। यह कुछ ऐसा अनमोल है जिसे हमने यहां बनाया है। यह एक सिंगापुरी रवैया, मानसिकता, जीवन शैली है। उन्होंने कहा कि आप अपनी जातीय जड़ों पर गर्व कर सकते हैं और साथ ही सिंगापुरी होने पर भी गर्व कर सकते हैं। यही सिंगापुरी होने का हमारा मतलब है। इस तरह हम कोशिश कर सकते हैं, भले ही एक छोटे से लाल बिंदु के रूप में हम सुनिश्चित कर सकते हैं कि हम मजबूत और एकजुट रहें। हम एक दूसरे के साथ सद्भाव बनाए रख सकते हैं। संवाद में भारतीय मूल के वरिष्ठ डिजिटल विकास और सूचना राज्य मंत्री जेनिल पुथुचेरी ने भी 130 युवाओं के साथ बात की। डॉ. जेनिल ने कहा कि भारतीय समुदाय का छोटा आकार है। हम सभी के साथ निकट संपर्क में रह सकते हैं, हमारे पास जो कनेक्शन, नेटवर्क, दोस्ती, विश्वास है उसका लाभ उठा सकते हैं। यह एक छोटा और संभावित रूप से बहुत अधिक घनिष्ठ समुदाय होने का एक फायदा है। हालांकि सिंगापुर में अधिकांश युवा एक ही चिंता साझा करते हैं, लेकिन भारतीय समुदाय नस्ल, धर्म और भाषा के मुद्दों को अलग तरह से दर्शाता है।सिंगापुर में आम चुनाव का एलान जल्द हो सकता है। इसे लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारी तेज कर दी है। सिंगापुर दैनिक की रिपोर्ट के अनुसार 2024 में भारतीयों ने सिंगापुर के नागरिकों का 7.6 प्रतिशत प्रतिनिधित्व किया, जबकि मलय और चीनी क्रमशः जनसंख्या का 15.1 प्रतिशत और 75.6 प्रतिशत थे। हाल ही में राजनीतिक नेताओं के साथ देखे गए नए चेहरों में पूर्व एजेंसी फॉर इंटीग्रेटेड केयर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिनेश वासु दाश, लॉ फर्म टीटो इसाक एंड कंपनी के मैनेजिंग पार्टनर कवल पाल सिंह, 13 साल से ट्रेड यूनियनिस्ट जगतीश्वरन राजो और भारतीय ऑर्थोपेडिक सर्जन हामिद रजाक शामिल हैं। वहीं भारतीय मूल के 59 वर्षीय प्रसिद्ध वकील हरप्रीत सिंह नेहल को भी विपक्षी वर्कर्स पार्टी के संभावित भारतीय उम्मीदवारों में देखा गया है। 2020 में पीएपी ने संसद में 83 सीटें जीती थीं। संवाद से एक दिन पहले पीएम वोंग ने कहा कि पार्टी 2025 के लाइन-अप में 30 से अधिक नए उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी।

बॉलीवुड/टेली मसाला

'केसरी' से पहले शुरू हो गई थी 'बैटल ऑफ सारागढ़ी', रणदीप बोले- कुछ लालची लोगों की वजह से फिल्म बंद हो गई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हाल ही में रणदीप हुड्डा ने एक पॉडकास्ट में अपनी एक ऐसी फिल्म के बारे में बात की जो कभी पर्दे पर नहीं आ सकी। रणदीप हुड्डा इन दिनों सनी देओल के साथ फिल्म 'जाट' में धमाल मचा रहे हैं, लेकिन हाल ही में उन्होंने अपने करियर के एक ऐसे दर्द को साझा किया है जो आज भी उनके दिल में चुभता है। यह दर्द उनकी महत्वाकांक्षी फिल्म 'बैटल ऑफ सारागढ़ी' के अधूरी रह जाना का है। शुभंकर मिश्रा के पॉडकास्ट में रणदीप ने इस फिल्म से जुड़ी कई बातें साझा की। अभिनेता ने कहा कि उन्होंने इस फिल्म के लिए तीन साल तक अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। इतना ही नहीं, उन्होंने कई बड़े प्रोजेक्ट्स तक ठुकरा दिए, ताकि इस फिल्म को वह सम्मान दे सकें, जिसकी वह हकदार थी। रणदीप ने खुलासा किया कि 'बैटल ऑफ सारागढ़ी' की शूटिंग शुरू हो चुकी थी, लेकिन उसी के बाद अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरी' (2019) बनने लगी। रणदीप ने कहा, हमारी फिल्म पहले शुरू हुई थी। फिर 'केसरी' बनने लगी, जो ठीक नहीं था।ङ्ग उनके लहजे में निराशा साफ झलक रही थी। उन्होंने कहा कि उनकी फिल्म का लगभग 30 से 40 प्रतिशत हिस्सा शूट हो चुका था, लेकिन कुछ लालची लोगों की वजह से यह प्रोजेक्ट रुक गया। रणदीप ने कहा, उस फिल्म में मैं अकेला सिख था। बाकी कोई सिख नहीं था।वह इस किरदार को सच्चाई और सम्मान के साथ पर्दे पर लाना चाहते थे। रणदीप का इस फिल्म से जुड़ाव सिर्फ पेशेवर नहीं, बल्कि भावनात्मक और आध्यात्मिक भी था। उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब के सामने कसम खाई थी कि वह सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व पूरी शिद्दत से करेंगे। वह चाहते थे कि सिख धर्म और उसकी भावनाओं को फिल्म में सही तरीके से दिखाया जाए, न कि सतही ढंग से। इसके लिए उन्होंने 'एक्सट्रैक्शन' के सीक्वल जैसी बड़ी फिल्म तक ठुकरा दी थी। लेकिन जब 'बैटल ऑफ सारागढ़ी' अचानक बंद हुई, तो रणदीप टूट से गए। उन्होंने कहा, उस समय बहुत डिप्रेशन हो गया था।ठ अभिनेता ने माना कि वह उनके करियर का सबसे मुश्किल दौर था।राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में रणदीप हवलदार ईशर सिंह का किरदार निभाने वाले थे। हालांकि, यह फिल्म कभी पूरी नहीं हुई, लेकिन अक्षय कुमार ने अनुराग सिंह की 'केसरी' में यही किरदार निभाया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था। अब 'केसरी चैप्टर 2' की रिलीज की तैयारियां चल रही हैं, जिसमें अक्षय के साथ अनन्या पांडे और आर माधवन भी नजर आएंगे।

कन्नड़ अभिनेता बैंक जनार्दन का निधन, 76 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दिग्गज कन्नड़ अभिनेता जनार्दन का रविवार को निधन हो गया। अभिनेता ने 76 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। वह लंबी बीमारी से जूझ रहे थे।दिग्गज कन्नड़ अभिनेता जनार्दन का निधन हो गया। रविवार रात बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में अभिनेता ने 76 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। अभिनेता को 'बैंक जनार्दन' के नाम से भी जाना जाता था। रिपोर्ट के अनुसार, वह लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे थे। उन्हें हाल ही में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अभिनेता के निधन की खबर आते ही इंडस्ट्री शोक में डूब गई। उनके प्रशंसकों और कई दिग्गजों ने शोक प्रकट किया है।अभिनेता को कथित तौर पर साल 2023 में दिल का दौरा पड़ने के बाद से अस्वस्थ थे। समय के साथ उनका स्वास्थ्य बिगड़ता जा रहा था। खराब स्वास्थ्य के चलते उन्होंने अस्पताल के बिस्तर पर दम तोड़ दिया।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता जनार्दन के निधन के बाद, अस्पताल से अभिनेता की आखिरी तस्वीर वायरल हो रही है। वायर तस्वीर में वह अस्पताल के बिस्तर पर कमजोर और पहचान में ना आने वाली स्थिति में दिख रहे हैं। उनके शरीर में कई ट्यूब लगी हुई थीं।अभिनेता ने अपने चार दशकों से ज्यादा के करियर में 500 से अधिक फिल्मों और शो में अभिनय किया। उन्हें उनके कॉमिक रोल के लिए जाना जाता था। अभिनेता ने अपने करियर की शुरुआत थिएटर से की। उन्हें 'बैंक जनार्दन' का उपनाम भी मिला, क्योंकि उन्होंने कुछ समय के लिए बैंक में भी काम किया था। जनार्दन की कुछ सबसे शानदार फिल्मों में शाह, तरले नान मगा, बेलियप्पा बंगरप्पा, जी बूमबा, गणेश सुब्रमण्य और कौरव शामिल हैं। उन्होंने जोकली, रोबो फैमिली, पापा पांडु और मंगल्या सहित कई टेलीविजन शो में भी काम किया है।

रविवार को 'जाट' ने की छप्परफाड़ कमाई, 'गुड बैड अग्ली' की मजबूत पकड़ भी बरकरार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर रविवार को 'जाट' की रफ्तार तेज नजर आई। वहीं, गुड बैड अग्ली ने भी चौथे दिन शानदार कलेक्शन किया। हालांकि, सिकंदर छुट्टी वाले दिन भी अच्छा कलेक्शन करने में नाकाम रही।सिनेमाघरों में इन दिनों गजब का माहौल है। हर फिल्म दर्शकों का दिल जीतने के लिए पूरी ताकत झोंक रही है। रविवार को बॉक्स ऑफिस पर कुछ फिल्मों ने धमाल मचाया तो कुछ अपनी रफ्तार बढ़ाने में नाकाम रहीं। सनी देओल की 'जाट' ने दर्शकों में जोश भरा। वहीं, अजित कुमार की 'गुड बैड अग्ली' नेभी खूब रंग जमाया, लेकिन सलमान खान की 'सिकंदर' अब बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ती दिख रही है। आइए इन फिल्मों के रविवार के कलेक्शन के बारे में जानते हैं 'जाट' में सनी देओल का देसी ठाठ दर्शकों को खूब भा रहा है। रविवार को इस फिल्म ने 14 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। अब इसका कुल कलेक्शन 40.25 करोड़ रुपये हो गया है। 100 करोड़ रुपये के बजट वाली इस फिल्म ने पहले दिन नौ करोड़ 50 लाख रुपये, दूसरे दिन सात करोड़ और तीसरे दिन 10 करोड़ रुपये जुटाए थे। सनी का गुस्से भरा अंदाज और दमदार कहानी लोगों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही है। 'जाट' की यह रफ्तार इसके लिए अच्छी खबर है। रविवार की कमाई बताती है कि दर्शक इस फिल्म को पसंद कर रहे हैं। अगर यह जोश अगले कुछ दिनों तक बना रहा तो 'जाट' न सिर्फ अपनी लागत वसूल कर लेगी, बल्कि बॉक्स ऑफिस पर एक मजबूत आंकड़ा भी छू सकती है। 'गुड बैड अग्ली' में अजित कुमार का जलवा कायम है। रविवार को फिल्म ने 20.5 करोड़ रुपये का दमदार कलेक्शन किया। इसके साथ इसका कुल कलेक्शन 84.5 करोड़ रुपये पहुंच गया। 190 करोड़ के बड़े बजट वाली इस फिल्म ने पहले दिन 28.5 करोड़, दूसरे दिन 13.5 करोड़ और तीसरे दिन 18.5 करोड़ रुपये कमाए। अजित का स्टाइलिश एक्शन और कहानी का रोमांच दर्शकों को सिनेमाघरों में बांधे रखने में कामयाब हो रहा है। हालांकि, बजट की रकम पार करने के लिए इसे अभी और मेहनत करनी है, लेकिन रविवार का प्रदर्शन दिखाता है कि यह फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर पकड़ बनाए हुए है।'सिकंदर' से सलमान खान के फैंस को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन यह फिल्म अब पूरी तरह से फ्लॉप हो चुकी है। रविवार यानी 15वें दिन फिल्म ने सिर्फ 54 लाख रुपये कमाए। इसका कुल कलेक्शन अब 109.04 करोड़ रुपये है। 200 करोड़ के बजट वाली इस फिल्म ने पहले दिन 26 करोड़ की जोरदार शुरुआत की थी, लेकिन इसके बाद यह दर्शकों पर अपना जादू नहीं चला सकी।

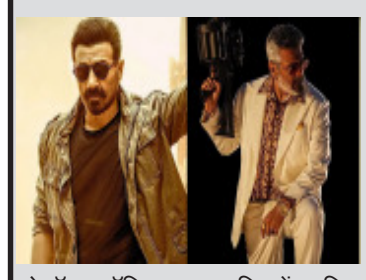

शो में चलते-चलते लड़खड़ाईं हिना खान, खुद को संभाला तो फैंस बोले- 'शेर खान'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हिना खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में अभिनेत्री एक फैशन शो के दौरान लड़खड़ा जाती हैं। अब उनके फैंस इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अभिनेत्री हिना खान स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। उनके जज्बे और बहादुरी के लिए फैंस उन्हें शेर खान कहकर बुलाते हैं। हिना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में रैंप वॉक करते हुए वह लड़खड़ा जाती हैं। हालांकि, अभिनेत्री ने खुद का संभाल लिया। उनके फैंस इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रही हैं। शनिवार को हिना खान ने मुंबई में एक फैशन शो में डिजाइनर कियायो के लिए रैंप वॉक किया। इस दौरान वह अपनी लंबी स्कर्ट के साथ संघर्ष करती नजर आईं। अभिनेत्री रैंप दो बार लड़खड़ा गईं। हालांकि, उन्होंने खुद को शालीनता और संतुलन के साथ संभाला। बिना किसी परेशानी के, वह जल्द ही मुस्कुराती हुई ठीक हो गईं और हर कदम पर आत्मविश्वास से भरकर चलना जारी रखा। वायरल हो रहे वीडियो में हिना एक लंबी, फ्लोई ब्लैक स्कर्ट के साथ हैंडमेड पूरी आस्तीन वाली जैकेट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। अभिनेत्री ने प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया कि वह हर बार लड़खड़ाने पर कितनी खूबसूरती से वापस लौटती हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, 'उन्होंने इसे शालीनता से संभाला।' जबकि दूसरे ने लिखा, 'उन्होंने ज्यादा रिएक्शन नहीं दिया।' एक अन्य ने उन्हें 'शेरनी और शेर खानष्ठ' कहा। जून 2024 में हिना खान ने स्टेज-3 ब्रेस्ट कैंसर पीड़ित होने का खुलासा किया। अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, ठमुझे स्टेज तीन ब्रेस्ट कैंसर का पता चला है। इस चुनौतीपूर्ण बीमारी के बावजूद, मैं सभी को आश्वस्त करना चाहती हूं कि मैं ठीक हूं। मैं इस बीमारी पर काबू पाने के लिए मजबूत, दृढ़ निश्चयी और पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं। मेरा इलाज शुरू हो चुका है। मैं इससे और भी मजबूत होकर उभरने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए तैयार हूं।ठ हिना खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार वेब सीरीज गृह लक्ष्मी में देखा गया।

अमिताभ ने सोशल मीडिया पर पूछा फॉलोअर्स बढ़ाने का जुगाड़, लोगों ने बता डाली निंजा टेक्निक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन फिल्मों के अलावा सोशल मीडिया पर भी काफी ज्यादा सक्रिय रहते हैं। हाल ही में उन्होंने एक्स पर फॉलोअर्स बढ़ाने के उपाय पूछे। इसके बाद लोगों ने उन्हें एक से बढ़कर एक आइडिया दे डाला। अमिताभ बच्चन का जलवा सिर्फ बड़े पर्दे तक सीमित नहीं है। उनकी आवाज, उनका अंदाज और उनकी सादगी दशकों से लोगों के दिलों पर राज कर रही है। सोशल मीडिया पर भी बिग बी का अलग ही रंग नजर आता है। वह अपने प्रशंसकों से हर दिन कुछ न कुछ साझा करते हैं, चाहे वह उनकी जिंदगी की छोटी-छोटी बातें हों या फिर उनके ब्लॉग के जरिए कोई खास संदेश। हाल ही में अमिताभ ने एक्स पर अपने फॉलोअर्स को लेकर एक मजेदार सवाल पूछा। उन्होंने लिखा, ठबड़ी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ये 49 मिलियन फॉलोअर्स का आंकड़ा बढ़ ही नहीं रहा। कोई तरीका हो तो बताइए। इस पोस्ट के बाद फैंस ने मजेदार और दिलचस्प जवाबों की बौछार कर दी। किसी ने उन्हें सलाह दी कि वह एलन मस्क की कंपनी के बनाए चैटबॉट ग्रोक का इस्तेमाल करें। वहीं, कुछ प्रशंसकों ने हंसी-मजाक में कमाल के आइडिया दिए। एक यूजर ने लिखा, ठसर, आप मुझे फॉलो कर लें और देखें अगला माइलस्टोन भी पूरा हो जाएगा।ठ दूसरे ने चुटकी लेते हुए कहा, ठरेखा जी के साथ एक सेल्फी डालकर देखिएठ एक और फैन ने सुझाव दिया, ठजया जी के साथ एक तस्वीर डालिए।ठ कुछ प्रशंसकों ने गंभीर सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि अमिताभ को एक ब्लॉकबस्टर फिल्म करनी चाहिए या फिर जेन-जी यानी युवाओं से जुड़ने के लिए एक पॉडकास्ट शुरू करना चाहिए।फिल्मों की बात करें तो अमिताभ आखिरी बार 'कल्कि 2898 एडी' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके किरदार को खूब पसंद किया गया। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने शानदार कारोबार किया था। अब फैंस इस फिल्म की अगली कड़ी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

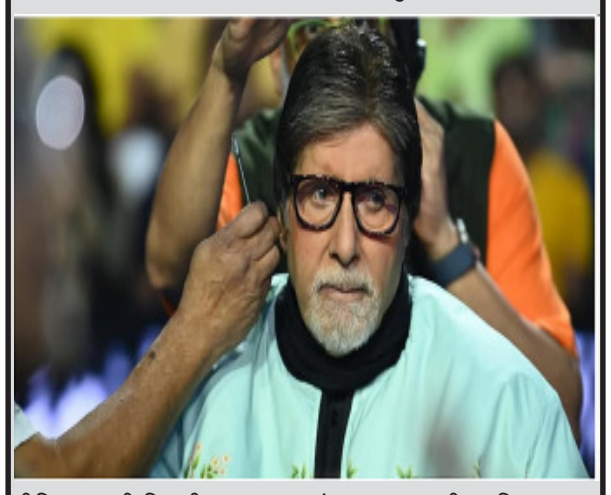

एक ही सीन में गोविंदा ने निभाए थे कई किरदार, रानी मुखर्जी से अफेयर की उड़ी थी चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। गोविंदा ने नब्बे के दशक में एक से बढ़कर एक कॉमेडी फिल्में कीं। साल 2000 में भी एक कॉमेडी फिल्म 'हद कर दी आपने' में वह रानी मुखर्जी के साथ नजर आए। आज इस फिल्म की सिल्वर जुबली है। जानिए, 'हद कर दी आपने' फिल्म से जुड़ी कुछ खास बातें। जब भी बॉलीवुड में कॉमेडी फिल्मों का जिक्र होता है, इस लिस्ट में गोविंदा की कई फिल्में शामिल हो जाती हैं। गोविंदा की ही चर्चित फिल्मों में से एक 'हद कर दी आपने' भी है। फिल्म को मनोज अग्रवाल ने निर्देशित किया था। यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म थी, जिसमें गोविंदा ने राजू नाम का किरदार निभाया। रानी मुखर्जी ने फिल्म में अंजलि नाम की लड़की का किरदार निभाया। राजू और अंजलि की मुलाकात यूरोप में होती है। दोनों अपने दोस्तों के कहने पर यूरोप जाते हैं, वह अपने दोस्तों की एक खास काम में मदद करना चाहते हैं। इसी कहानी को लेकर कॉमेडी, रोमांस फिल्म 'हद कर दी आपने में दिखाया गया। इस फिल्म ने आज अपनी सिल्वर जुबली (14 अप्रैल 2000) पूरी कर ली है। जानिए, गोविंदा की फिल्म 'हद कर दी आपने' से जुड़ी कुछ खास बातें। फिल्म 'हद कर दी आपने' के हर सीन में गोविंदा अपनी कॉमेडी से दर्शकों को खूब हंसाते हैं। सबसे ज्यादा हंसी दर्शकों को तब आती है, जब चंद मिनट के एक सीन में गोविंदा टीवी के अंदर घुसकर अलग-अलग किरदार निभाते हैं। सीन कुछ इस तरह है कि गोविंदा का किरदार एक आदमी की जासूसी कर रहा है, वह उसकी तस्वीरें एक लड़की के साथ छिपकर क्लिक करता है। यह काम राजू, होटल रूम के पर्दे के पीछे छुपकर करता है। अचानक उस आदमी को लगता है कि कोई उसके कमरे में है। ऐसे में गोविंदा का किरदार राजू होटल रूम के टीवी के अंदर घुस जाता है। यह सीन लॉजिकल नहीं है लेकिन कॉमेडी से भरा है। राजू टीवी के अंदर से अलग-अलग भाषाओं में गाने गाता है, इसी दौरान कभी वह चाइनीज आदमी बन जाता है, कभी अरब का शेख बनता है तो कभी एक मराठी आदमी का गेटअप लेता है। इस सीन में गोविंदा ने दर्शकों को भरपूर हंसाया है। फिल्म का यही सीन सबसे ज्यादा पॉपुलर है और आज भी खूब देखा जाता है। फिल्म में गोविंदा की हीरोइन रानी मुखर्जी थीं, इनकी जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया। बताते चलें कि रानी इस फिल्म के लिए पहली पसंद नहीं थीं। पहले महिमा चौधरी को यह फिल्म ऑफर हुईं लेकिन एक्ट्रेस के पास डेट्स नहीं थीं तो बाद में रानी को यह फिल्म मिली। गोविंदा, रानी मुखर्जी के अलावा फिल्म में जॉनी लीवर, परेश रावल, तनाज ईरानी, राकेश बेदी, अवतार गिल, विजू खोटे, स्मिता जयकर जैसे कलाकार भी नजर आएं। जॉनी लीवर, परेश रावल, राकेश बेदी, विजू खोटे जैसे कलाकारों ने फिल्म में जमकर कॉमेडी की। इन सभी कलाकारों को दर्शकों ने काफी सराहा। गोविंदा की फिल्म 'हद कर दी आपने' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो इसने भारत में 11 करोड़ रुपये की कमाई की। फिल्म का बजट 7 करोड़ रुपये बताया जाता है। इस तरह से गोविंदा और रानी के अभिनय, कॉमेडी से सजी यह फिल्म बॉक्स ऑफिर पर सेमी हिट साबित हुई। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार गोविंदा की इस फिल्म का रीमेक बनने की बात सामने आई लेकिन अभी तक इस खबर को लेकर कोई अपडेट नहीं है।

फिल्म को बनने में लगे पूरे 10 साल, मजहर खान का सपना थी फिल्म 'गैंग', आर डी बर्मन का आखिरी संगीत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। गैंग की सिल्वर जुबली है, आज फिल्म को रिलीज हुए पूरे 25 साल हो गए हैं। ठगैंगठ की शूटिंग 1990 में शुरू हुई थी, लेकिन इसके निर्देशक मजहर खान की खराब सेहत के कारण यह फिल्म कई सालों तक अटकी रही। मजहर खान इस फिल्म को अपने करियर का एक बड़ा प्रोजेक्ट मानते थे, लेकिन 1998 में उनकी मृत्यु हो गई। उनके असिस्टेंट डायरेक्टर ने इसे पूरा किया और आखिरकार 2000 में रिलीज किया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में मशहूर संगीतकार आर.डी. बर्मन ने आखिरी बार संगीत दिया था। या यूं कह सकते हैं कि यह उनकी आखिरी फिल्मों में से एक थी। उनकी मृत्यु 1994 में हो गई थी, लेकिन ठगैंगठ के गाने उनके अनोखे अंदाज को दर्शाते हैं। सिल्वर जुबली पर इस फिल्म को याद करना बनता है क्योंकि पंचम दा के संगीत का जादू इस फिल्म में आखिरी बार सुनाई दिया था। फिल्म की कहानी चार दोस्तों गंगू, अब्दुल, निहाल और गैरी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनके नाम से ठउ्.ै.ज्.उठ बनता है। यह कॉन्सेप्ट उस दौर में काफी नया था। उस समय के दर्शकों को यह फिल्म खूब पसंद आई थी। जावेद जाफरी ने फिल्म में एक हल्का-फुल्का किरदार निभाया था, जो गंभीर गैंगस्टर ड्रामा में कॉमेडी का तड़का लगाता है। उनके फैंस आज भी उनके डायलॉग्स और अंदाज को याद करते हैं। गैंग कोई बहुत बड़े बजट की फिल्म नहीं थी, लेकिन इसके किरदारों और कहानी ने दर्शकों पर गहरा असर छोड़ा। 25 साल बाद भी इसके डायलॉग्स और सीन की चर्चा होती है, जो इसे एक यादगार फिल्म बनाते हैं।

सोहा ने मनाया मां शर्मिला की बंगाली सिनेमा में वापसी का जश्न, तस्वीरें साझा कर लिखा भावुक नोट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शर्मिला टैगोर 14 साल बाद बंगाली सिनेमा में 'पुरातन' के साथ वापसी की है, जो उनकी इस भाषा की आखिरी फिल्म हो सकती है। अब सोहा अली खान ने इस पल का जश्न मनाया है।दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर ने 14 साल बाद बंगाली सिनेमा में 'पुरातन' के साथ वापसी की है, लेकिन उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यह उनकी नई बंगाली फिल्म हो सकती है और साथ ही यह उनकी आखिरी फिल्म भी हो सकती है। इस बीच शर्मिला की बेटी अभिनेत्री सोहा अली खान ने अपनी मां की फिल्म की तारीफ की।इंस्टाग्राम पर सोहा ने अपनी हालिया फिल्म से शर्मिला टैगोर की तस्वीरों की एक सीरीज साझा की। तस्वीरों के साथ सोहा ने कैप्शन में लिखा, 'पुरातन' में अम्मा का जश्न मनाते हुए, लगभग दो दशकों के बाद बंगाली सिनेमा में उनकी शानदार वापसी। बीटीएस तस्वीरें, जैसा कि किसी ने एक बार मुझसे कहा था- हमारे लिए शर्मिला ठाकुर एक व्यक्ति नहीं हैं, वह एक भावना हैं।'हालांकि, हाल ही में फिल्म की रिलीज से पहले शर्मिला ने अपनी यात्रा, अपने स्वास्थ्य और इस प्रोजेक्ट को इतना खास बनाने वाली बातों पर अपने विचार साझा किए थे। सुमन घोष द्वारा निर्देशित 'पुरातन' में शर्मिला एक आधुनिक समय की कॉर्पोरेट महिला की बुजुर्ग मां की सशक्त भूमिका में हैं, जिसका किरदार रितुपर्णा सेनगुप्ता ने निभाया है। शर्मिला ने कहा कि यह भूमिका उनके दिल के बहुत करीब है।उन्होंने इसे एक ऐसी भूमिका बताया, जो हमेशा नहीं मिलती।

स्वात्वाधिसकसार एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।

सस्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0-09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398

website:www.adhuniksamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र मे प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हंतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।